रजि० सं० डी-(डी)--73



HRA AN USIUS The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 50] नई विल्ली, शनिवार, विसम्बर 10, 1977 (अग्रहायण 19, 1899) No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 10, 1977 (AGRAHAYANA 19, 1899)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ _ खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोफ सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011,दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० ए०-35017/1/75-प्रणा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की सम संख्यक ग्राधिभूचना दिनाक 22-9-1975 के अनुक्रम में केन्द्रीय राजस्य महालेखाकार के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एच० आर० सिह को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में मामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप II के लेखा अधिकारी के राजपितत पर पर स्थानापन्य रूप से प्रतिनियुक्ति के आधारपर 9-9-1977 से एक वर्ष की अनिरिक्त श्रवधि के लिये अथवा श्रग्नेतर आदेश तक जो भी पहले हो नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी ग्रवर मचिव कृते मचिव सथ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 19 नवम्बर 1977 सं०ए-33012/1/75-प्र०-II^I----मगोपुर मे श्वाने कार्यकारी प्रशिक्षण की समाप्ति पर, श्री एल० बी० सिनाटे ने 1---366GI/77 22 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न में संघलोक सेवा आयोग के केन्द्रीय मेवा सवर्ग में भ्रमुभाग अधिकारी पद का कार्यभार संभाल लिया ।

> प्रभात नाथ मुखर्जी, ग्रयरसचिव सघलोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम नई दिल्ली-1, दिनाक 16 ग्रगस्य 1977

स० ए-11/12/77--श्री डी० एन० बजाज, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्फ, अण्डीगढ को दिनांक 6-8-1977 (पूर्वाह्र) में अगले श्रादेशोतक के लिये प्रवर्तन निदेशालय के जालधर क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्त के रूप में नियुक्त रिया जाता है।

विनाक 25 अगस्त 1977

स० ए-11/19/77—श्री लाभ सिंह, निरीक्षक, आयकर, पटियाला को प्रवर्तन निदेशासय के जासंघर क्षेत्रीय

(5609)

कायिलय में विनाक 10-8-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशो तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के पद पर प्रतिनिमुक्ति पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 24 मक्तूबर 1977

सं० ए-11/24/77---श्री जी० एस० बिरदी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, चण्डीगढ को इसके द्वारा प्रवर्तन निदेशालय के श्राधार पर क्षेत्रीय कार्यालय मे दिनांक 10-10-77 से भ्रगले श्रादेशों तक के लिये प्रवर्तन श्रधकारी के पद परप्रतिनिमुक्ति पर स्थानापन्न के रूप मे निमुक्त किया जाता है।

जे० एन० धरोडा, उप निदेशक (प्रशामन)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 ग्रक्तुबर 1977

सं० ए-11/22/77---श्री एम० के० चक्रवर्ती, ग्रधीक्षक, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को प्रवर्तन निवेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 3-10-1977 (पूर्वात्र) से ग्रगले आदेशों तक के लिये मुख्य प्रवर्तन ग्रधिकारी के पद परस्थानापन्न के रूप में नियक्त किया जाता है।

• एस० बी० जैन, निदेशक

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्वपुलिस नईविल्ली-110001, दिनाक 16 नवम्बर 1977

सं० भ्रो० थो०-227/69-स्थापना—श्री हेमा राम ने उनके सुबेदार के पद पर परावितित होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस श्राधीक्षक, 20वी वाहिनी, के० रि० पु० दल पद का कार्यभार 28-10-1977 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

स० डी० एफ०-12/77-स्थापना — निम्नलिखित ग्रिधिकारी, उनकी सेवाये ग्राई० टी० बी० पी० द्वारा के० रि० पु० दल को निर्वातिस करने के फलस्वरूप , उप-पुलिस ग्रिधीक्षक के पद पर उनके समक्ष दी हुई निथियों में यूनिटों में नियुक्त किये जाते हैं ---

क ० स०	ग्रधिकारी का नाम	जिस युनिट में स्थानापन्न किया गया	पी० से
	के० एन० लोहानी श्रोम प्रकाश		17-10-77 25-10-77

सं० डी० एफ० 12/77-स्थापना — श्री डी० सी० कौशिक की मेवायें श्राई० टी० बी० पी० द्वारा के० रि० पु० दल की निविनित करने के फनस्वरूप, उप-पुलिस श्रधीक्षक के पद पर 22-10-77 (पूर्वाह्म) से ग्रुप सैन्टर, जम्मू में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनाक 21 नवम्बर 1977

स० भ्रो० दो-1333/76-स्थापना--श्री एम० के० चेतरी ने उनके सिक्कम पुलिस में प्रत्यावासन होने के फलस्वरूप उप-पुलिस ग्रधीक्षक, में 36वीं वाहिनी के० रि० पु० दल का पद का कार्यभार 16-10-77 (भ्रपराह्म) को त्याग दिया।

मं० म्रो-II-23/77-स्थापना---राष्ट्रपति, श्री भार० के० म्रोहरी, संघ गासित क्षेत्र संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा मिश्रिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री भ्रोहरी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप निदेशक, भाई० एस० ए० माऊंट मानु केपद का कार्यभार दिनाक 26 मन्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म से संभाला।

ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001,दिनांक 21 नवम्बर 1977

स० ए-38/15/75-बेतार—श्री जय प्रकाश श्रग्रवाल ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में श्रपनी नियुक्ति 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान पर श्रांतिरिकत सहायक निदेशक के पद का कार्यभार श्रागामी श्रादेश नक दिनाक 9 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्र में संभाला।

छत्रपति जोशी, निदेशक, पुलिस दूर-संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024 दिनाक, 16 नवम्बर 1977

सं० ६० 16014(2)/4/77-कार्मिक--प्रितिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री के० डी० नायर, भारतीय पुलिस सेवा (संघ शासित क्षेत्र-1967) ने 17 श्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म मे के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० श्राई० नया नागल में कमाडेट केपद का कार्यभार संभाल लिया।

सर्व ई-16016/2/77-क्रामिक—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, उसी मत्रालय के प्रनुभाग प्रधिकारी श्री एम० शार० नरोता ने 27 अक्तूबर, 1977 के अपराक्ष में महानिरीक्षक के० औ० मु० ब० नई दिल्ली के कार्यालय में प्रनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/77-कार्मिक—स्थानाम्तरित होने पर श्री पी० के० लाहिरी ने श्री एन० एस० यादव, सहायक कमाडेट के स्थान पर 7 अक्तूबर, 1977 के अपराह्म से के० ग्री० सु० द० यूनिट ग्री० जी० पी० दुर्गापुर में सहायक कमाडेंट के पद का कार्यभाग संभाल लिया । मेघातुबू मे स्थानान्तरित होने पर श्री एन० एस० यादव ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख में छोड़ दिया।

> ली० सि० **विष्ट** महानिरीक्षक, के० <mark>ग्र</mark>ी० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाक 21 नवम्बर 1977

स० 11/10/76-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रधि-कारियों को उनमें से प्रत्येक के समक्ष दिणत कार्यालयों और प्रविधयों तक या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरे जायेगे, जो भी समय उनमें कम हो, उप निदेशक जन गणना कार्ये के पदो पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

क्रम नाम सं०	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय	मुख्यालय	भ्रविध	पिछला सदर्भ	
1 2	3	4	5	6	
1. श्री प्रारविन्द डांगे	सिषिकम	गगटोक	16-10-1977 से 31-12-77 तक	11/10/196-प्रशा०-1 ता० 25-10-76	
2. श्री एम० थग राजू	तमिल नाडु और पाडेचेरी	मद्रास	4-10-77 से 31-12-77 सक	11	
3. श्री एस० राजेन्द्रन	गोवा, दमण श्रौ र दीव	पणजी	8-9-77 से 31-12-77 तक	11/10/76-प्रशा०-1 ता० 25-9-76	
4. श्री जगदीश सिह्	दिल्ली	न्ली दिल्ली 28-8-77 से 31-12-77		11/10/76 प्रशा∘-1 ता० 25-2-77	
5. श्री साल कृष्ण .	, उत्तर प्रदेश	लंबनऊ	6-8-77 मे 31-12-77 तक	11/10/76 प्रशा०-1 ता० 16-9-76	
6. श्री एस० एस० एस० जा	यसवाल . हिमाचल प्रदेश उत्तर प्रदेश	लखनऊ	1 0-1 1-77 से 31-1 2 - 77 तक	11/10/76 प्रशा०-1 ता० 20-11-76	
7. श्री एस० के० अग्रवाल	हिमाचल प्रदेश	शिमला	1 5-9-77 से 31-1 2-77 तक	11/10/76 प्रशा०-1 ता० 25-9-76	

पी० पद्मनाभ भारत के महापजीकार ग्रौर **पदे**न सयुक्त सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्यं तथा विविध नई विल्ली, दिनाक 15 नवम्बर 1977

सं० प्र० I/2(I)/V/3134-1. महालेखाकार वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली श्री बी० डी० शम्बवानी को भारतीय भूचुम्बकीय संस्थान, बम्बई में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए ग्रपने कार्यालय में, लेखा ग्रधिकारी के सबर्ग में स्थानापन्न हेतु 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 6-10-77 (पूर्वाह्म) से "ग्रगले से निचले नियम" के श्रन्तर्गत श्रगले ग्रादेशो तक ग्रनन्तिम ग्राधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. महालेखाकार वाणिज्य. निर्माण कार्य तथा विविध, न ξ विक्ली श्री सतपाल सिंह Π को भी भारत सरकार ऊर्जा

मल्लालय (शक्ति विभाग) नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए, लेखा अधिकारी संवर्ग में स्थानापन्न हेतु 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में 6-10-77 (अपराह्म) से 6 महीने अथवा अगले आदेश तक जो भी पहले पड़े, अनित्सम आधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० एस० मान उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई-400020, दिनाक 9 नवम्बर 1977

स० प्रशासन-1/भा०ले० वि०/31-खण्ड-111/19---महा-लेखाकार महराष्ट्र-1 बम्बई ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किये गये

दिनाक से ग्रागोमी ग्रादेश तक स्थानापन्न	रूप से लेखा	26.	डा०के० बी० दासगुप्त	. 4-5-196
ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।	•		डा० सुधीर कुमार विश्वास	. 4-5-196
			डा०सी०एल०मेस्रा	. 4-5-196
क्रम नाम दि	नाक		डा० एन० बी० दासगुप्ता	4-5-196
सं०			डा० के० पी० राय .	. 4-5-196
		31.	डा ० प्रार० के ० गाह .	. 21-1-196
 श्री एस० टी० पाल 18- 	10-7 7 भ्र परा ह्न	32,	डा०टी० के० मुखर्जी	21-1-196
2. श्री व्हि॰ के॰ गावसकर 20-	10-77 पूर्वाह्र 🖁	33	डा० सी० भ्रार० विश्वास	. 21-1-196
		34.	डा०ए०सी०कुन्दु .	21-1-196
•	र० कृष्णन् कुट्टी	35.	डा० एस० पी० सिन्हाटल	. 21-1-196
वरिष्ठ उप महाले	खाकार/प्रशासन	36,	डा० ए० के० दास	. 21-1-196
		37.	डा०ए० के० मुखर्जी	. 1-11-196
रक्षा मन्नालय			डा०एस० गागुली .	. 15-5-196
म्रार्डनेन्स फैक्टरियां स्वास्थ्य सेव	Т		डा० ग्रार० एम० ग्रगरवाल	. 8-5-197
महानिदेशालय, ग्रार्डनेन्स फैक्टरिय	T.		डा० ग्रार० एस० बाजपेई	. 8-5-197
•			डा०बी०टी०उके .	8-5-197
कलकसा, दिनौक 11 नवम्बर 197	7		डा० एस० पी० राय चौ घुरी	8-5- 19
सं० 134/ए० एम० ओ०/ए०/एम०⊶रा			डा०बी०पी०गुप्ता .	•
निवित्र प्रधिकारियों (पुरुष एवं महिला) को			डा० एस० पी० सक्सेना	8-5-197
ग्रेड-1 के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी	गई तारीख से,		डा० म्रार० डी० निरावाने	. 8-5-197
पुष्ट करते हैं:			डा० डी० सिकदर ्.	. 8-5-197
पुरुष भ्रधिकारीगण			डा० आर० ग्रार० मोहनदास	8-5-197
ा. डा० ग्रार० एल० पोहार .	4-5-1065		डा० एस० एस० गुप्ता	. 8-5-197
 डा० आर्थ एला नादार डा० एन० सी० मालाकर 	4-5-1965 4-5-1965		डा० एस० के० चौधुरी	. 8-5-197
 डा० बी० बी० चट्टर्जी . 	4-5-1965		डा०ए०एन० माइती	. 8-5-197
3. डा॰्या॰ पट्टमा 4. डा०्यो० ग्रार० बिजलानी	4-5-1965		डा० ग्रो० पी० निगम	. 8-5-197
 डा० बी० एम० राय चौ धुरी 	4-5-1965		डा०ए०के० राय .	. 8-5-197
 डा॰ डी॰ के॰ सन्याल 	4-5-1965		डा० विण्ववीर .	. 8-5-197
7. डा० ए० ग्रार० चट्टोगध्याय .	4-5-1965		डा० भ्रार० एस० क्याइल	. 8-5-197
8. डा०बी० भार० भगरवाल .	4-5-1965		डा० ग्रार० जी० राय	22-8-197
9. डा॰ पी० सी० सैंन	4-5-1965		डा०एस० पी० शर्मा	. 22-8-197
10. डा०जे०बी०क्समु	4-5-1965		डा० दिनेश कुमार सक्सेना	. 01-7-197
11. डा०पी० के० सरकार .	4-5-1965		डा० दिगम्बर श्रनवेकर	. 01-7-197
12. डा॰ जी॰ दत्ता	4-5-1965		डा० गोपाल कृष्ण शुक्ल	. 01-7-197
13. डा॰ एस॰ एस॰ सैनी .	4-5-1965		डा० शिव चन्द्र शुक्ल	. 01-7-197
14 डा०एम०एम० राम .	4-5-1965		डा० मीर इक्राहिम खुरैशी	. 01-7-197
15 डा० श्रार०एम० केला .	4-5-1965		डा० सुधीन मुखर्जी	. 01-7-197
16. डा०एस०के० भट्टाचार्या	4-5-1965		डा० जयन्त कुमार राय	01-7-197
17. डा॰ बी॰ बी॰ कर	4-5-1965		डा० रामेन्द्र सेन . डा० रामेन्द्र सेन	. 01-7-197
18. डा॰ बी॰ के॰ सरकार	4-5-1965		डा० सतीश चन्द्रखद्री डा० कार्यास्त्रस्य स÷ीकर	. 01-7-197
19, डा० श्रार० के० पाल	4-5-1965		डा० खगीलाल सतीजा डा०पी० जी० हेज	01-7-197
20. डा॰ पी॰ जी॰ सरकार	4-5-1965		डा०पा०जा०हण डा०ग्रार०एच० ग्रम्बिके	. 01-7-197
21. डा॰ एफ॰ एच॰ मनशर्मानी	4-5-1965		डा० शार० एप० आम्बक डा० शार० जेड० बेडमुधा	. 01-7-197 . 01-7-197
22. डा०एस०के० विक्वास	4-5-1965		डा० स्नीरण जडण बङ्ग्या डा० सी० के० झरगल	01-7-197
23. डा० एस० के० मुज्मदार	4-5-1965	70. 71.		. 01-7-197
24. डा०एम० जी० चकवर्ती	4-5-1965		डा० ए० सी० वैद्या .	01-7-197
	3 4 1 7 11 7			U1-1-13/

74. डा॰एस॰सी॰श्रीवास्तवा	30-4-1977
75. डा॰ हरिहर पाद्यी	30-4-1977
76. डा०ए०एम० म्रन्टू	30-4-1977
77 . डा ०वी०पी० गुप्ता	30-4-1977
78. डा॰सी॰एस॰ मणी	30-4-1977
79. डा॰ राजेन्द्र पाल गुप्ता	30-4-1977
महिला अधिकारीगण	
1. डा० (श्रीमती) बी० मरकार	1-4-1960
2. डा॰ (श्रीमती) एल॰ चढ़ा	4-5-1965
 डा० (श्रीमती) ए० चेरीयन 	4-5-1965
4. डा० (श्रोमतो) बी० बारेटो	4-5-1965
5. डा० (श्रीमती) एम० पी० पाल	4-5-1965
6. डा० (श्रीमती) जे० वासु	4-5-1965
7. डा० (श्रीमारी) जे० ग्रारं० बरूग्रा	4-5-1965
8. डा० (श्रीमती) पी० चक्रवर्ती	4-5-1965
9. डा० (कुमारी) कमला सुवाइया	4-5-1965
10. डा॰ (श्रीमती) इन्दु देव	14-2-1968
11. डा॰ (श्रीमती) एस० ए० राव	3-2-1971
12. डा॰ (श्रीमती) गौरी बागची	
(क्,भट्टाचार्या)	13-6-1971
13. डा० (कुमारी) पी० भाटिया	01-1-1972
14. डा॰ (श्रीमती) एस० ए० वैद्या	31-8-1975
15. डा॰ (श्रीमती) एम०ग्ररुफोन्स	31-8-1975
16. डा० (श्रीमती) गीता मुक्ला	31-8-1975
17. डा॰ (श्रीमती) इन्दुरती रूकमिनी	31-8-1975
18. डा० (श्रीमती) शोभा खत्री	31-8-1975
19 डा० (श्रीमतो) ए० एस० जयकुमार	31-8-1975
20 डा॰(श्रीमती) रमणी खीथा	31-8-1975
21 डा० (कुमारी) प्रेमवती	01-7-1976
	ब्रिगेडिय र
	पी०एन० त्रिखा
निदेशक	स्वास्थ्य सेवाए

श्रम मंत्रालय (श्रम ब्यूरो)

शिमला, दिनाक

1977

कृते महानिदेशक, ग्रार्डनैन्स फैक्टरिया

सं 23/3/77-सी०पी० आई०-अक्तूबर, 1977 में औद्योगिक अमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) सितम्बर, 1977 के स्तर से एक अक घट कर 330 (तीन सौ तीस) रहा। अक्तबर, 1977 का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 401 (चार सौ एक) आता है।

आनम्द स्वरूप भारद्वाज, संयुक्त निवेशक

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्वायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 16 नवम्बर 1977 श्रायात एव निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

स० 6/302/55-प्रणासन (राज०) /8139—-राष्ट्रपति, कुमारी एस० के० ग्रेगाल उप-मुख्य नियत्नमः, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय सिवालय सेवा से भिन्न) को मुख्य नियत्नक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय मे, बिल्कुल तदर्थ श्रीर श्रस्थायी श्राधार पर 1-10-1977 से आगे 3 मास के लिए या जब तक नियमित ज्यवस्था नहीं हो जाती इनमें से जो भी पहले हो, उस तक के लिए, सयुक्त मुख्य नियत्नक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं

दिनाक 17 नवम्बर 1977

सं० 6/417/56-प्रशासन (राज०) /8192---राष्ट्रपति, श्री बनारसी दास, स्थायी नियंत्रक, श्रायात-निर्यात को, कानपुर कार्यालय मे 16 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्म से श्रायला आदेश होने तक, उप-मुख्य नियन्नक, श्रायात-निर्यात के रूप मे नियुक्त करते हैं।

का० वे० शेषाद्रि मुख्य नियन्नक, भ्रायात-नियति

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय नईदिल्ली,दिनाक 19नवम्बर 1977

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रोर खान मतालय (इस्पात विभाग) लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20,दिनाक 28 श्रवतूबर 1977

स० $\xi \circ I_{-19}(6)/63($)—िनवर्तन की श्रायु प्राप्त कर 30 सितम्बर 1977 के दोपहर बाद मे श्री देवप्रसन्न सेन शर्मा, सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियन्नक, सेना मुक्त हो रहे हैं।

ए०सी० चट्टोपाध्याय उप लोहा ग्रौर इस्पात नियंद्रक इते लोहा ग्रौर इस्पात नियंद्रक

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाक 17 नवम्बर 1977

स० ए० 19012(88)/77-स्था० ए०---श्री एम० एन० माकोड़े स्थायी वरिष्ठ तक्षनींकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 24 श्रक्तुबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेश होने तक भारतीय खान व्यूरों में वर्ग ''ब" के पद में नियमित आधार पर स्थान।पन सहायक श्रनुसधान श्रिधकारी (श्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

स० ए० 19012/89/77—स्था०—ए०—-श्री एस० सी० नेभानी, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनाक 24 श्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न सहायक श्रनुसधान श्रिधकारी (श्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19012/101/77-स्था०-ए०-श्री के० बी० देशमुख, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनाक 22 प्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म से ग्रागामी प्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "बं०" के पद में ६० 650-30-740-35-810-दं० रो०-35-880-40-1000-दं० रो०-40-1200/- के वेतन में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक अनुस्धान ग्रिधकारी (श्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एल० सी० रणधीर, कार्यालय ग्रष्टयक्ष

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

ग्रनौपचारिक (प्रौढ़) शिक्षा निदेशालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

स० फा०-5 -7/77 ग्र० (प्रौ०) शि० नि०--शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय से तबादला होने पर (प्रतिनियुक्ति के भ्राधार पर) श्री देस राज क० बहल को 14-7-1977 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की श्रविध के लिये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में भ्रतीपचारिक (प्रौढ) शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक ग्रिधकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

डी० एन० सक्सेना निदेशक

श्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 16 नवम्बर 1977

स० 10/104/77-एस०-3--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री एस० काशी विश्वनाथन को, दिनांक 17-10-77 से ग्राकाण-वाणी, तिब्रूगढ़ में सहायक इजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं।

स० 10/68/77-एस०-3--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जे० रंगेय्या को विनाक 22-9-77 से दूरवर्शन केन्द्र, हैदराबाद में सहायक इजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह प्रशासन उपनिदेशक शुरो महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाक 18 नवम्बर, 1977

सं० 4 (47)/77-एस०-1--महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री पीटर बीतार सिंह शेगप्लयाग को श्राकाशवाणी को हिमा में 3-10-1977 से श्रग्रेतर श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 4 (82)/77-एस०-1--महानिदेशक, श्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री रघुबीर प्रसाद मीना को श्राकाशवाणी, बीकानेर मे 15-9-1977 से अगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> नन्द किशोर भारद्वाज प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक नवम्बर 1976

स० ए 16-17/75-प्रशा०-1-समाज कल्याण विभाग में प्रतिनियुक्ति पर जाते समय डा० ए० बी० हीरामनी ने 19 श्रक्तूबर, 1977 पूर्वाह्म से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय मे उप सहायक महानिदेशक (श्रनुसधान) के पद का कार्यभार छोड दिया है।

> णाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

(श्रौषधि स्रनुभाग)

नई दिल्ली, दिनाक 19 नवम्बर 1977

स० ए० 44014/3/77-डी०—अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप श्री डी० के० कुलकर्णी ने 30 सितम्बर, 1977 अपराह्म से केन्द्रीय श्रौषधि मानक नियतण सगठन, कस्टम हाऊस कोचीन से तकनीकी श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड दिया है भीर 12 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रौषधि मानक नियत्रण सगठन, साताकुज हवाई पत्तन, बम्बई मे तकनीकी श्रिधकारी के पद का कार्यभार संभान लिया है।

आर० बाल सुबह्याणयन उप श्रौषधि नियंत्रक इते स्वास्थ्य महानिदेशक नई दिल्ली, दिनाक 19 नवम्बर 1977

मं० ए० 12026/5/77-श्री० नि०—स्वास्थ्य मेवा महा-निदेशक ने केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के श्री ए० के० खसनोबिस, वरिष्ठ वैज्ञानिक महायक (श्रीषध विज्ञान) को 31 भ्रक्तूबर, 1977 पूर्वाह्न में श्रागःमी श्रादेशो तक उसी प्रयोगशाला में सयुक्त (एसोसिएट) श्रीषधि विज्ञानी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

> एस० एस० गोठोस्कर श्रौषधि नियद्गक **इते** स्वास्थ्य सेवा सहानिदेशालय

कृषि एव मिचाई मन्नालय (ग्राम विकास विभाग)

विपणन एव निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनाक 15 नवम्बर 1977

म० फाईल-4-6(128)/77 प्रणा०-III--विभागीय पदोन्नित समिति, की सस्तुतियों के स्राधार पर श्री मुन्दर राम, विरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय मे फरीदाबाद मे दिनाक 3 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्म), से स्रगले स्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन स्रिधिकारी (वर्ग-1), नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला निदेशक प्रशासन

कुते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग मद्रास परमाणु बिजलीघ र

कलपक्कम 603 102, 3 नवम्बर 1977

स० 18(82)/77-नियुक्ति--विद्युत् परियोजना इजीनियरी प्रभाग के निदेशक, श्रस्थाई वैज्ञानिक सहायको सर्वश्री वी श्रार० कृष्णामूर्ति श्रोर एस० एस० राव तथा श्रस्थाई पर्यवेक्षक (इलैनिट्रकल) श्री पी० ए० कृष्णन् को 1 श्रगस्त, 1977 के पूर्वाह्म मे श्रगले श्रादेश तक के लिए इस परियोजना मे वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' के पदो पर श्रम्थाई रूप मे नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन् प्रणासन भ्रधिकारी

राजस्थान परमाणु बिजलीधर

कोटा, दिनाक 19 नवम्बर, 1977

मं० रा० प० वि० प०/भर्ती /7(8)/77/1542—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मृष्य परियोजना इजीतियर विद्युत् परियोजना इजीतियरिय प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक ग्रौर राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी श्री नवल किशोर नागर को उसी परियोजना में ही दिनाक 19 अक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर श्रागामी श्रावेश जारी होने तक के लिये ग्रस्थाई रूप से सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। श्री नागर ने दिनाक 17-8-77 से 18-10-77 तक

तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य किया है।

म० राज्यविव्यव (श्रितीं/(8) 77/1543—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इजीनियर विद्युत् परियोजना इजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थायी मलेक्शन ग्रेड क्लर्क श्री एम० डी० मेह्ना को इसी परियोजना में दिनाक 24 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी पादेश जारी होने तक के लिए ग्रस्थाई रूप से महायक कार्मिक ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं। श्री मेहना ने दिनाक 14-1-74 में 22-4~76 तक तदर्थ ग्राधार पर सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य किया है।

गोपाल सिंह प्रशासन अधिकारी (स्था०) वास्ते मुख्य परियोजना इजीनियर

तारापुर परमाणु बिजलीघर

डा० घ० टापा, दिनाक 27 श्रक्टूबर 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/2/767/70—तारापुर परमाणु बिजलीघर के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एव स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी श्री बी० डी० चौधरी को, परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनाक 11 श्रक्तूबर, 1977 के कार्यालय श्रादेण सख्या 20/5 (1)/76 सी० सी० एस० के श्रन्तर्गत उनका तबादला ऋय एव भडार निदेशालय के हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय ऋय एकक मे हो जाने पर, 25 श्रक्टूबर, 1977 के श्रपराह्म से तारापुर परमाणु बिजली-घर मे उनके कार्य-भार से मुक्त किया जाता है।

विनांक 31 अन्त्वर 1977

मं० टी० ए० पी० एस०/1/34(1)/77-श्वार०--परमाणु कर्जा विभाग के नारापुर परमाण् बिजलीघर के मुख्य श्रधीक्षक, नारापुर परमाण् बिजलीघर के श्रम्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री एस० श्रार० राधाकृष्णन् को 1 श्रमस्न, 1977 के पूर्वाह्म मे उसी बिजलीघर में श्रम्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इजीनियर एम० बी० नियुक्त करने हैं।

डी० वी० मार्काले मुख्य प्रशासन ग्रधिकारी

रिएक्टर प्रनुसधान केन्द्र

क्तनाक्कम, दिनाक 30 ग्रक्तूबर, 1977

मं० ए० 32023/1/77/ग्रार०-17221—रिएक्टर श्रनु-मधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसधान केन्द्र के स्थायी श्राणुलिपिय तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न प्रवरण कोटि ग्राणुलिपिक श्री एम० कृष्णामृति को 29-8-77 से 18-10-77 तक की ग्रवधि के लिये तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में महायक प्रणासन ग्राधकारी नियुक्त करते हैं। श्री कृष्णामृति ने 19 ग्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्म में महायक प्रणासन ग्राधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया। स० ए० 32023/1/77/ग्रार०-17221---रिएक्टर ग्रनु-सधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री के० एम० वेलायुधन को, 12 ग्रगम्त, 1977 के पूर्वाह्र मे श्रगले श्रादेश तक के लिये नदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा ग्राधिकारी नियुक्त करने हैं।

ग्रारं० एच० शानमुखम प्रशासन ग्रधिकारी कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन भ्रौर नागर विमानन महालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 नवम्बर 1977

सं० ई० (I) 00949—नेधणालाक्यों के महानिदेशक श्री प्रदुगत कुमार जैन को भारत मौसम सेवा ग्रुप की (केन्द्रीय सिविल मेवा, ग्रुप की) में 14 श्रवतूबर, 1977 से श्रागामी ग्रादेश तक, सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जैन को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

> गुरूमुख राम गुप्ता मौसम विज्ञानी कृते वेग्नणालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनाक 22 श्रक्तुवर 1977

स० ए० 32013/6/76-ई० एस०-इस कार्यालय की 4 जुलाई, 1977 की प्रधिसूचना सं० 32013/6/76-ई० एस० (1) के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित प्रधिकारियों की विमान निरीक्षक के ग्रेड में हुई तदर्थ पदोक्षति की प्रविध 28-2-1977 के बाद प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदो के नियमित रूप से भरे जाने के समय से, जो भी पहले हो बढ़ा दी है।

ऋम स० स्रधिकारी का नाम	तिथि
1. श्री श्रन्पम बागची	22-12-77
2. श्री एसँ० मज्मदार	27-12-77
3. श्री एच० एम० फुल	31-12-77
4. श्री एल० ए० महालिंगम	29-12-77
5. श्री ए० के० रे	31-12-77
	27-12-77
7 श्री डी० पी० घोष	22-12-77
4. श्री एल० ए० महालिंगम	29-12-77 31-12-77 27-12-77

मं० ए० 32013/6/76-ई० एस० (II)--इम कार्यालय की 4 जुलाई, 1977 की ग्राधिसूचना सं० ए० 32013/6/76-ई० एस० (ii) के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित श्राधिकारियों की वरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में हुई तदर्थ पदोन्नति की ग्रावधि 28-2-1977 के बाद 31-12-1977 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्तिया होने तक, इतमें से जो भी पहले हो बढ़ा दी हैं।

ক্ত	मं०	नाम			 	
	1. श्री	एस० ।	एल ०	श्रीवास्तव		
2	2 श्री f	फेलिप	मैध	यू		

एस० एल० खंडनुर सहायक निदेशक प्रशा० नई दिल्ली, दिनाक 15 नवम्बर 1977

सं० ए० 12034/4/77-ई० ए०--श्री के० श्रीनिवासन, महायक विमान क्षेत्र श्रीक्षकारी, मद्रास क्षेत्र, मद्रास ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी मेवा से निवृक्त होने पर 31 श्रक्टूबर, 1977 श्रपराह्म से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

वि० वि० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 17 नवम्बर 1977

म० ए० 32013/8/77-ई० सी०--राष्ट्रपति ने श्री किशु टेक्सचन्दानी, सहायक निवेशक संचार (योजना) मुख्यालय, नागर विमानन विभाग को 12 श्रक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो तदर्थ श्राधार पर नियनक सचार के पद पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक मंचार स्टेशन, सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया है।

विनाक 14 नवम्बर 1977

स॰ ए॰ 32014/1/77-ई॰ सी॰—इस विभाग की 13 धर्मल, 1977 की अधिसूचना सख्या ए॰ 32014/1/77-ई॰ सी॰ की कम स॰ 1 के अनुक्रम में, महानिदेशक नागर विमानन ने श्री पी॰ प्राई॰ डेविड, सहायक संचार प्रधिकारी की छुट्टी रिक्ति में श्री वाई॰ बी॰ भोपटकर की सहायक सचार प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेणन, बबई के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की अवधि 6-4-77 से 7-8-77 तक जारी रखने की संस्वीकृति प्रदान की है।

सत्य **देव** शर्मा उप निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य म**न्ना**लय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर रामि टांगर कम्पनी प्राईवेट लिमटिंड के विषय में।

मद्रास-6, दिनाक 16 नवम्बर 1977

स० 5521/560(5)/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के प्रनुपरण ने एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रामि टायर कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम स्नाज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कंपनी विघटित हो गयी है।

सी० ग्रन्युतन कम्पनी का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर मेसर्स युनिवरसल इक्विमेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनाक 19 नवम्बर, 1977

सं० 12611/560(3)—कम्पनी ग्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुमरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर मेससे युनिवरमल इक्वीपमेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रिकृत कारण विज्ञान न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एव विजय भारती पब्लिकेणन्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । बम्बई, दिनाक 19 नवम्बर 1977

स॰ 17251/560(3)— कस्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन माम के श्रधमान पर विजय भारतीय पिब्लकेणन प्राहवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

श्री राम कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार महारा'ट्र

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर ग्रार० एम० गुप्ता स्टील रोलिंग एण्ड जनरल मिल्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

घण्डीगढ़, दिनाक 19 नवम्बर 1977

स० जी०/स्टेट/560/3354/9099—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर श्रार० एस० गुष्ता स्टील रोलिंग एण्ड जनरल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कंपनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाण तायल, कम्पनियो का रजिस्ट्रार प० हि० प्र० य चण्डीगढ़

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 भ्रौर गीता टीयूवस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 19 नवम्बर 1977

स० 501/77-4019 (2)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एत्दद्वारा यह सुनना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के श्रवसान पर गीना टीयू-वस प्राईवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी विघित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर कोनारक ट्रेडिंग कारपोरेसन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

कटक, दिनांक 19 नवस्बर, 1977

सं० 186/77-401/8(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूजना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रवसान पर कौनारक ट्रेडिंग कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा श्रोर उक्त कपनी विषटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल कम्पनियो का रजिस्ट्रार उडीसा

श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, विनाक 2 नवम्बर 1977

म०एफ०-48ए०डी० (ए०टी०)/77-भा०]।-श्री निरंजनदास स्थान।पन्न सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली को नदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण,अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनाक 17 अक्टूबर, 1977(पूर्वाक्ष) में तीन महीने की अवधि के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति सघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं हो जाती जो भी णीझतर हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नही प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ स्थाधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रिभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किये जाने के पालता ही प्रदान करेगी।

दिनांक 8 नवम्बर 1977

2-366GI/77

वित्त मन्नालय

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज, धारवाड, दिमोक 30 नवम्बर 1977

भुद्धि

निदेश सं० 172/76-77/अर्जन दिनांक 31-3-1977 आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 डि(1) के नियम वित्त मत्रालय की संख्या 1828 अंग्रेजी पार्ट तींन मेक्शन के उसका बदले श्रन्तरक का नाम यह इस प्रकार पढे

- (1) श्री विध्वेकटारामय्या ग्रालियाम अम्पुहम्मा के बदले मे श्री बि० वेकटारामय्य आलियास ग्रप्पस्या ग्रीर
- (2) श्री बि॰ नागराज राव के बदले श्री बि॰ वि॰ नागराज राव

निदेश सख्या 193/77-78/ म्राजंन दिनाक 18-10-1977 मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 डि (1) के म्राधीन सूचना जिसकी निदेश का स 193/77-78/ अर्जन हैं। और जो कि म्रन्तरक का नाम इस प्रकार पढ़े। जोकि तारीख 5-11-77 के निदेश स० 5058 और 4979 हिन्दी और अंग्रेजी का नाम इस प्रकार पढ़े

- 1 श्रीमित के सौदामल
- 2 श्री के थामोधरन
- 3 श्री के लक्ष्मी नारायणनन रिववासी राजा स्ट्रीट, कोमारापलयम, सेलम -जिला (तिमलनाडु)

(डि॰िम॰ राजागोपासन) सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रज धारवाड प्ररूप धाई० टी० एन० एस० --

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ष्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक १ नयम्बर 1977

निदेण नं० लुधियाना / सी० / 91/ 76-77----श्रतः, मुझे नत्थुराम

प्रायंकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्स श्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- रू॰ से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी स० पोरणन प्रापर्टी नं० बी०-23/67/1 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया ए०, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध मनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वश्स्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय कर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त घिष्टित्यम', या घन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:--

- (1) मैसर्ज कामनबैलथ संपिनिंग एण्ड निटिंग मिरूज प्राइवेट लिमिटेड, 236, इन्डस्ट्रियल एरिया ए०, लुधियाना (श्रन्तरक)
 - (2) मैं मर्ज निर्टिग मैं शनरीज सिन्डीकेट इण्डिया प्राइनेट लिमिटेड, मार्फत श्री दिनेश गुप्ता, मैंनेजिंग डायरेक्टर लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो 'उदत श्रिष्ठ-नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोरशन प्रापर्टी नम्बर, बी०-23/67-1, इण्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना जो कि रजिस्ट्रकर्ता ग्रिधिकारी के विलेख नं० 2714 मार्च, 1977 में दर्ज हैं।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9 नवम्बर 1977

रुपए से ग्राधिक है

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रापा 269 घ (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक १ नवम्बर 1977

निदेश सं० लुधियाना/ सी०/86/77-77:——ग्रतः, मुझे तत्थु राम धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/—

श्रीर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 972/ई वर्ग गज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ख' लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पखड़ प्रतिगत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबस, उक्त ध्रधिनियम के ध्रष्ठीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भ्रन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या भ्रम-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियो अर्थात्:—

(1) मैसर्ज कौमन बैलथ सिपिनिंग व निर्टिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड 236 इण्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसींजन्यू ऐरा भूलन मिल्ज प्राइवेट लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट क्षेत्रफल $972/\frac{1}{3}$ वर्गगज जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया ए० में स्थित है।

जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2658 मार्च, 1977 में दर्ज है।

(जैमे कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> नत्थु राम सक्षम प्राघिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख . 9नवम्बर 1977 मोहर : प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

सुधियाना, दिनाक 9 नवम्बर 1977

निदेश न० लुधियाना/ सी०/ 84/ 76-77----ग्रन , मुझे नत्थृराम

आयंकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उपत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्राजार मृत्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट क्षेत्रफल 972/१ वर्गगज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया ए, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकैरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्छ प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रांर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या श्रन्य श्राम्तियां को जिम्हे भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

ग्रतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण मे, म, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .-- (1) मैं सर्ज कौमन बैलथ सिपिनिंग, घ निटिंग मिल्ज प्राइवेट लिमिटेड 236 इण्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्जन्य एरा वूलन मिल्ज प्राइवेट लिमिटेड 300 ईण्डस्ट्रीयल एरिया ए० लुधियाना ।

(ग्रन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि। नियम, के ग्रध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 972/} वर्गगज जो इण्डस्ट्रीयल एरिया ए लक्षियाना में स्थित हैं।

ं जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विशेख न० 2634 मार्च, 1977 में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय मे लिखा है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर मायुक्त (**निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख · 9 नवम्बर 1977 मोहर : प्ररूप श्राई० टो॰ एन० एस०--

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक १ नवम्बर 1977

निदेश स० पटियाला/ 3/ 77-78 — अत:, मुझे नत्थू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् (उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 5/ बी० जोकि माडल टाउन पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरको) और धन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, जक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधररा धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 1 लैफ्टीनेट कमा उर सुन्दर मिह बाबा पुत्र बाबा गुर दियाल सिह ब्राई-एन० एस० नेवी इजीनियर निवासी सहीद भगत मिह रोड बबर्ट.

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती परीतम कौर पनधेर पत्नी श्री तेल वन्त सिह पनघेर (लैफ्टीनैंट) निवासी 5-बी०, माडल टाऊन, पटियाला को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदो का, जो 'उक्स अधिनियम', के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

पलाट क्षेत्रफल 1333 वर्ग गज जो /बी० जो कि माडल टाऊन पटियाला में स्थित है (जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 5866 मार्च 1977 रजिस्ट्रीकर्टी श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

> नत्थू राम सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख ' 9-11-1977 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, मद्राम

मद्राम, दिनाक 14 नवम्बर 1977

निदेश म० 7/ मब्राम/ 77 -- यत , मुझे, ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 7 है, जो सन्डी स्ट्रीट वेलर से स्थित है (श्रीर इसमे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वेलूर (पत्र स० 624/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अकुमरण मे, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रथीन

- (1) श्री ए० के० देसबन्धु मुदलियार ग्रीर ग्रीद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० सुन्दरेसन

(भ्रन्तरिती)

(3) इण्डियन बैंक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पक्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्धन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिशासरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

बेलूर, मण्डी स्ट्रीट, डोर सं० स० 7 (एस० स० 355 श्रीर 463) में 1112 4 स्कुयर फीट की भिम (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेज-^I, मद्रास

तारी**ख**: 14-11-77 मोहर प्रारूप आई०टी० एन० एस०-

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1977

निदेश सं० 8/ मद्राम/ 77 ---यत , मुझे ए० टी० गोविन्वन (1961 प्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है ब्रौर जिसकी स० 7 है, जो मन्डी स्ट्रीट, नेलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित

(क) ग्रन्तरण से हुई किसा ग्राय की बाबन उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो, श्रथित:--

- (1) श्री ए० के० देसबन्दु मुदलियार भ्रौर भ्रादि (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० ई० माणिक्क मुदलियार (ग्रन्तरिती)
- (3) इण्डियन बैक (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि धाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में दितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताशरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्वष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो स्रीर पदी का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय मे दिया गया है।

अमुसूची

नेलूर, मन्डी स्ट्रीट, डोर स० 7 (एस० सं० 355 फ्रीर 463) में 1112 4 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> ए० टी० गोविन्दन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख . 14-11-77 मोहर [.] प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-, मद्रास

मद्रास, दिनाक 14 नवम्बर 1977

निदेश स० 9 |मार्च | 77 --- यत., मुझे, ए० टी० गोविन्दत आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 7 है, जो मन्छी स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में श्रीर रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नेलूर (पन्न स० 622/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16 मार्च, 77

तारीख 16 माच, 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधितियम, की धारा 269-ग के भनु-सरण मे, मैं उक्त भिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, भर्णान् —— 3—366GI/77

- (1) श्री ए० के० देमबन्धु मुदलियार श्रीर भावि (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० शण्मुगम

(भ्रन्तिरती)

(3) इण्डियन बैंक (वह ब्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

भनुसूची

नेलूर, मण्डी स्ट्रीट, डोरसं० 7 (एस० स० 355 फ्रौर 463) मे 1112.4 स्कुयरफीट की भूमि (मकान के साथ)।

> ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 14-11-77

प्ररूप माई० टी० एन० एन०----

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर, 1977

निदेश सं० 19/ मार्च/ 77:—यत , मुझे ए० टी० गोविन्दन ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 89/2 ग्रीर 92 है, जो ग्रोलक्क चिन्नतूर गाय सेलम जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सकरीदुर्ग पत्र सं० 183/77) म भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और प्रस्तरक (ग्रन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरको के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई िकती आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या ग्रनकर ग्रिधिनियम, या ग्रनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा ग्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीम निम्नलिबित व्यक्तियों. अर्थात्:—- (1) श्री मारप्प गऊन्डर म्रौर म्रादि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनराय नाडार भौर म्रादि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पन्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करना ह।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ध्रवधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी ख़न्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, घोलक्क चिन्नतूर गाव एस स० 89/2 (3.38 1/2 एकड) और 92 एकड़) और 92 (एक एकड) में 4 38/12 खेती की भूमि और प्रादि।

ए० टी० गोविन्दन, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

तारीख · 15-11-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I: मद्राम

मद्राम, दिनाक 15 नवम्बर 77

निवेश स० 23 / मार्च / 77 — यत , मुझे ए० टी० गोविन्दन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक हैं भ्रौर जिसकी म० 7 है, जो विनायगर कोईल स्ट्रीट कीरनूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, पलिन (पन्न स० 157/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरण (ग्रन्तरको) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीं) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए नय पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित वे बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में भुविक्षा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी घन या ध्रन्य घ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ध्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रा: ग्रम, उका प्रधिनियन की **धारा** 269-ग के ग्रनुपरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की <mark>धारा 269-म की</mark> -प्रधारा (1) के अधोन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती एम० ए० मेहरुश्रीसा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० ग्रब्दुल सलाम

(भ्रन्तरिती)

(3) कनारा बैंक (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिं नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
बदी शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पलिन तालुक, कीरनूर गाँव छोर स 7 (०, म० स० 130/1 सी०/1 सी०) में 15240 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्वन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, सक्रास

तारीख 15-11-77 मोहर

प्रकृप ग्राई• टी• एन• एस•—

धानकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनाक 17 नवम्बर 1977

निदेश मं० 22 /एम० ए० आर०/ 77 — यन , मुझे, ए० टी० गोविन्दन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी म० 217 ए०, 216, मी०, 216 डी०, 216 ई०, है, जो वन्डीक्काट स्ट्रीट मैंन रोड़ रामनानपुरम में स्थित हैं (श्रीर इममें उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रामनातपुरम (पत्न स० 89/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, 16 मार्च, 1977

पूर्वोक्त संगत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) प्रत्तरण म हुई किसी घाय की बायत उक्त प्रधिनियम ो गधीन कर देने के भ्रन्तरक के दाधित्व के कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

पतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, पै, उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रंधीन, व्यक्तियों, प्रथीत्:--- (1) श्री ए० चन्द्रसकर नाडार

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती ए० सफुरन जमीला

(म्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त गव्दो भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं द्यर्थ होगा, जो उस श्रष्टियाय में दिया गया है।

अमुसू ची

रामनातपुरम, ए० सफुरन जमीला

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 17-11-77

मोहर .

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1 महास

मद्रास, दिनाक 17 नवम्बर, 1977

निदेश सं० 31/एम० ए० म्रार०/ 77:--यतः, मुझे ए० टी० गोविन्दन

भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क० से भ्रधिक है भ्रीर जिसकी स०वेप्पडी, गांव, एकडि है, जो

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकडि (पन्न सं० 39/77) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विष्यास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से श्रीयक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और ग्रन्तरिती
(ग्रन्तिरितियो) के बीच एमे ग्रन्तरण के लिये सय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख्र) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थातः— (1) श्री एम० मिववास मे रन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० भास्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति बारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाडटीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदो का, जो उक्त ग्रधितियम के ग्रध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेलम जिल्ला एक डि, नेप्पटी गाव एस० स० 5/2 (2 एफड), 6/1, (0 03 एकड, 6/2 (2.36एकड), 7 (2 25 एफड) 8/2 (1.98 एकड), 10/3 (1.95 एकड), 11/2 (0.04 एकड़), 12 (5 42 एकड), 13/2 (0.15 एकड) में 16 18 एकड खेती की भूमि।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1 मदाप

नारीख: 17-11-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 महास

मद्रास, दिनाक 17 नवस्बर 1977

निदेश म० 33/एम० ए० आर०/77 ---यन , मुझे, ए०टी० गोविन्दन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी स० हैं, जो में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपायद श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कीलराज, कुलरामन (पन्न सं० 144/77) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख मार्च, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के धधीन कर देने के अल्लारक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवं, उक्त प्रधितियमं की धारा 269 गुके धनुसरण में, में, उक्त अधितियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीकन्दसः(मि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्राहमुगपेहमाल

(ग्रन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जक्त सम्पत्ति के प्रजिन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पच्छीकरण —-इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त श्रधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

Properties covered by Doc No 144/77 registered with the Sub-Registrar Kilaraja Kularaman during March 1977.

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1 महास

तारीख 17-11-1977 मोहर प्ररूप धाई०टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनाक 15 नवम्बर 1977

निर्वेश सं० 35/एम० ए० आर०/77—यतः, मुक्षे, ए० टी० गोविन्दम,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है,

भीर जिसकी मं० है तथा जो नर्शनगपुरम गांव आन्तूर ताल्लुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-3-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिपाल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त म्रिक्टिन्यम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः भन्न, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के समीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, समितु:— (1) श्री चेल्लामूष्पार ग्रीर ग्रादी

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री मुलुसामि गऊन्डर

(भ्रन्तरिती)

को 'यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिय कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्ति रण:---इसमे प्रयुक्त मध्यों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रधिनियम, के सध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला झालूट तालुक नरसिगंपुरम गाव एस० स० 399/4 डी० (0 85 एकड), 399/4जी० (0 69 एकड़), 399/5 (0 74 एकड़), 403/1डी० (4 67 एकड़) भ्रीर 494/4डी० (0.29 एकड) मे 7 46 एकड़ खेती की भूमि और झादी।

ए० टी० गोविन्दम सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 17-11-77 मोहर प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भशिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के भशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, मद्रास

मद्राम, दिनाक 17 नवम्बर 1977

निदेश स० 38/एम० ए० ग्रार०/77—यत मुझे, ए० टी० गोविन्दन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी मं० हैं जो, कस्तूरिपटटी ग्रौर सकरी गाय, सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सकटी (पल्ल मं० 189/77) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और झन्तरक (झम्तरको) और झन्तरिती (झन्तरितियो) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः ग्रन, उक्त भिधिनियम की धारा 269ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .—— (1) श्रीमती रजीनारत्नम ग्रीर ग्राहि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० पलनिसामि गऊन्डर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त श्रिष्ट-नियम के घध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला कस्तूरिपट्टी श्रौर सकटी गाव मे खेती की भूमि श्रौर श्रादि ।

> ए० टी० गोविन्दन मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 17-11-1977

भक्षप धार्ष । टी । एन । एस । -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1 मदास

मक्रास, दिनांक 17 नवम्बर, 1977

निवेश सं० 39/एम० ए० आर०/77:—-श्रत, मुझे ए० टी० गोविन्दन भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० टी॰ एस॰ स॰ 141/1, है, जो कसतूरि
पट्टी, सेलम जिल्ला में स्थित है (धौर इससे पउपाबद्ध में धौर पूर्ण
रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंकरिषुर्ग
(पत्न सं० 191/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।
पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रामीत्: →4—366G1/77

(1) नाच्चीयपा ग्रौर को.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० बालऋणन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, कस्तूरपट्टी गांव एस० स० 141/1 में 6 30 एकड की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1 मद्राम

तारीख: 17-11-77

प्रसप प्राई० टी० एन० एस०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रश्रीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1 मद्रास

मद्राम, दिनाकः 17 नयम्बर 1977

निदेण स० 42/एम० ए० आर०/ 77 ——यत , मुझे ए० टी० गोबिन्दन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिमकी स० 309/ 1 बी० श्रौर 309/1ए०, है जो मेलिवशारम गाव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्राकडि (पत्र स० 479/77) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से शिधक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (फ) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रत्र, उ∓न ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्री टी० एम० मुख्रमन्यम श्रीर बल्लीयम्माल(अन्तरक)
- (2) श्रीटी०एम० श्रव्दुल गफूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबक्क किसी ऋन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहंग्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उनन प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्त आर्काष्ठ जिल्ला, मेलवीशारम गांव एस० स० 309/1 बी० (0 77एकड) ग्रीर 309/1ए० (5एकड) में 5.77 खेती की भूमि ग्रीर श्रादि।

ए० टी० गोविन्दन सक्षम श्रष्टिकारी, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 मधास

तारीखा : 17-11-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनाक 19-11-77

निदेण सं० 4270/77/78—यतः मुझे, के० पोन्नन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

ग्रीर जिमकी स० डोर स० 83, न्नामले चेटिट्रटयार है तथा जो रोड, कोयम्बत्र मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ट्रंघ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय, गिधपुरम डाकुमेण्ट 289/77) में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 21-4-1977 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरित (ग्रन्तरितिया) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनु-सरण में, मै, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डाक्टर ए० मोहन राघ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त गब्दो घौर पदो का, जो उनन अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, एस० छार० पी० नगर, छन्नामलै चेट्टियार रोड, डोर स० 83 में 5000 स्क्युर फीट (मकान के साथ)

> (के० पोन्तन) सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज मद्रास

तारीखा 19-11-77 मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 19 नवम्बर 77

निवेश स० 5503/76-77-यन मुझे, के० पोन्नन आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी स० मद्रास, मौण्ट रोड, डोर सं० 1/105 में ग्राउण्ड फ्लोर श्रौर भूमि में 1/3 भाग में स्थिति हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० III मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 732) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रस्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है धौर घन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रत अब, उक्त श्रिधितियम की घारा 269-म के मनुसरण में में उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यांत:— (1) दी० मद्रास इन्वेस्टमेन्टस एण्ड कन्स्ट्रकणन कार्पोरेणन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० जमीला

(ग्रन्तरिती)

(3) बिन्नि लिमिटेड

(बह ड्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्षा में 45 विन की भवधिया तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिव्यतियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में किया गया है।

अनुसूची

मद्रास 18, मौण्ट रोड, डोर सं० 1/105 में ग्राउण्ड फ्लोर ग्रौर भूमि में 1/3 भाग।

> के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीखा:19-11-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1], मद्रास

मद्राम, दिनाक 19 नवम्बर 1977

निदेश म० 5503/ 76 -77 -- यत , मुझे , के० पोन्नन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है म्रीर जिन्नो सं०मद्रान, मीण्ट रोड, डोरस० 1√105 में पहला श्रौर दूसरा फ्लोर और भूमि में 2/3 भाग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे ० एम ० ग्रार० III मद्राम नार्थ, (डाक् मेण्ट 733/77) मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-3-1977 सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है भीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरको) भौर भन्तरिती (ग्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रान्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रघीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रचीत्:——

- (1) दी० मद्रास इन्बेस्टमेन्ट्स एण्ड कस्ट्रवशन कारपोरेशन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० म्रार० नूर मोहमद (अन्तरिती)
- (3) स्टेट क्षेक आंफ इण्डिया (वह क्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं; वहीं धर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 18,मौण्ट रोड, डोर सं० 1/105 में पहला और दूसरा फ्लोर और भूमि में 2/3 भाग।

> ^हके० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायृक्**त (निरीक्षण), श्रजन रेंज II, मद्रास

तारीख 19-11-77 मोहर : प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ष्ट्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 19 नवम्बर 77

निदेश स० 5568/ 77-78 ---यत , मुझे के० पोझन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्याम यरने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है भ्रीर जिसकी स० 15, महालिकम निट्ट स्ट्रीट मद्राम-34 में स्थित है (ग्रीर इसमें , उपाबद्ध अनुसूनी में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकरी के आर्थानय टी० नगर (डाकुमेण्ट 237/77) में, रिजस्ट्रीकरण पश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 28-4-1977

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उत्तत भ्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए

मतः भव, उन्त यधिनियम की धारा 269 गके भनुसरण में, मै, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियो, अर्थात:—- (1) श्रो आ२० राजन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री झाक्टर मी० वी० कृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना ह।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्मअधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 क्षा के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति हारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त गब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मद्रास 34, महालिकम चेट्टि स्ट्रीट, डोर स॰ 15 में 1 ग्राउण्ड ग्रीर 220 स्क्यर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 19-11-77 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी०एन एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 23 नवम्बर, 1977

निर्देण सं० ए० सि० 26/ ग्रर्जंन रे०-IV/कल०/77-78--- श्रत. मुझे, पि० पि० सि०

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु॰ मे अधिक है

मौजा विश्वनाथपुर,मे थाना देगंगा, 24 परगना में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रालिपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 11-3-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और प्रन्तरक (प्रन्तरको) और प्रन्तिती (भ्रन्तिरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने ये श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐनो किसी भाय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रियितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रियितियम, या घनकर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अत ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रयीत्:-- (1) श्री कुमृदबन्धु घटर्जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयेन्द्र कुमार मुखलाल णाह दारही

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्गोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

मौजा विश्वनाथपुर, याना देगगा जिला 24 परगना में स्थित 32 एकड़ जमीन तथा उस पर निर्मित 11,200 स्कुबर फीट के दो मजिला मकान जो कि दिलील सं० 1491 दि० 11-3-77 के प्रनुसार पूर्ण रूप से विणित है।

> पि० पि० सिंह् मक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायक्तर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 23-11-77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 दिल्ली -1

नई दिल्ली, दिनाक 19 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ष्टाई० ए० सी० | एक्यु० 1| एस० घ्रार०-111|31| मई-1 (5) | 77-78| 4089 :— -ग्रत., मुझे जे० एस० गिल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ए०-182 है, तथा जो ग्रेटर कैलाग-11 नई दिल्ली में स्थित है ग्रीर (इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वाजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक्षक है घौर घन्तरक (घन्तरकों) घौर धन्तरिती (घन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रवः उक्तः ग्रधिनियम की घारा 269-ए के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, ग्रथित् :--- (1) श्री एस० के० तपारिया (गोद लिया हुन्ना), सुपुत्र स्वर्गीय श्री विशम्बर सहाय, निवासी सी०-2/23, सफदरजग एनकलैंब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वीवान कुलवीप सिंह सूपुत्र श्री दीवान चन्द द्वारा श्री रामेश सुखीजा, निवासी एन०-82, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि याच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पटिशासरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दो धीर पदो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका न० 182, ब्लाक नं० 'ए.स०' श्रौर क्षेत्रफल 30 वर्ग गज है, नियासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली के बहापुर गाव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के श्रन्तर्गत, दिल्ली राज्य में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व: रोड़

पश्चिम : सर्विस लेन उत्तर : प्लाट न० एम०-18 दक्षिण : प्लाट न० एम०-184

> जे० एस० गिल सक्ष्म श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19-11-1977

प्रेरूप धाई० टी० एन० एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 19 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ एक्यु० / 1/ एस० ग्रार०-111/ 48/ मई-2 (18) / 77-78/ 4089 :---अत., मुझे, जे० एस० गिल

भायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी मंख्या सी०-2/151 है, तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रघिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977।

पूर्वीक्तं सम्पत्ति के उंजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके धुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

5-366GI/77

- (1) श्रीमती रामेली बाई, पत्नी स्वर्गीय श्री ठाकुर दास, निवासी दुकान न० 10, निजामुद्दीन धैस्ट, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ईश कुमार चावला, सुपुत्र श्री छतता राय चावला, मिवासी, सी \circ -2/151, लाजपत नगर, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहिया शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या सस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबेद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भावित हैं, वही धर्य होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

लीज होल्ड मकान न० सी०-2/151, क्षेत्रफल 100 वर्गगज है, लाजपत नगर, नई दिल्ली म निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : रोड़ पश्चिम : लेन

उत्तर: मकानन० 150 दक्षिण : मकान न० 146

> जे० एस० गिल सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख . 19-11-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली-1 4/14क; ग्रामफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 19 सवस्वर 1977

निर्देश स० म्राई० ए० सी० / एक्यु० 1/ एस० म्रार० - III/ 28/ म्रप्रैल-11/ (26)/ 77-78/ 4089 .----म्रतः, मुझे, जे० एस० गिल,

धायकर घिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिंघिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से धिंवक है

श्रौर जिसकी स० के०-35 है तथा जो जगपुरा एक्सटेक्शन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से ग्रधिक है धौर धन्तरक (मन्तरको) धौर धन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की याबत, उक्त मधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः मब, उक्त मधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के मधीन, मिन्निसिखत व्यक्तियों, प्रथीत :--- (1) श्री ग्रमर नाथ, मुपुल श्री प्रभुदयाल, तथा श्री दया नन्द, सुपुल श्री घेला राम, निवामी के०-35, जगपुरा एक्सटेक्णन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मौइन्हीन, मुपुत्र श्री ग्रंजीमृद्दीन, तथा श्रीमती जकारिया बेगम, पत्नी श्री ग्रब्दूल ग्रंजीज, निवासी 2418, तुर्कमान गेट, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को महसूचमा मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के भ्रध्याय 20क म परिभाषित है, वहीं भ्रथं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है स्रौर न० 35,ब्लाक न० के हैं, जंगपुरा एक्सटेक्शन, नई दिल्ली से हैं।

> जे० एस० गिल, स**क्षम प्राधिकारी** महायक आयक्तर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19-11-1977

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
म्रजंन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनाक 8 नवम्बर 77

निदेश न० ए० पी० 54/बी० टी० / 77-78 '-यतः, मुझे पी० एन० मलिक

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि श्रनचनी में लिखा है। तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त झिंदिनयम, के भ्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

बतः मब, उक्त अघिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के बबीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री चन्द्र मोहन पुक्ष श्रीमती लाज रानी पुत्री श्री गोपाल दास श्रीमती किरण रानी पुत्री श्रीमती राज रानी वासी ग्रवोहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपी लाल पुत्र श्री पहूलाल पुत्र श्री प्यारे लाल वासी ग्रबोहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्राधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि 130 वर्गगज 6 वर्ग फट मे बना है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2326 तारीख मार्च, 1977 मे लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सह्ययक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भटिंडा

तारी**ख :** 8/11/77

प्रकृप भाई व ठी व एन व एस ०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज, भटिंडा

भटिडा, दिनाक 8 नवम्बर 1977

निदेश सं ए० पी० 55/ बी० टी०/ 77-78 .--- यत., मुझे,पी०एन० मलिक धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू० से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची मे लिखा है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मोगा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, तारीख मार्च, 197*7*

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्राधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अन्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्री बैध जसबत सिंह पूत्र क्षाल सिंह पूत्र गुलाब सिंह वासी मोगा महिला सिंह

(भ्रन्सरक)

(2) श्री डा० बलबीर सिंह कौर धालीबाल पत्नी डा० मनमोहन सिंह धालीवाल पुत्र जसवन्त सिंह वासी मोगः महिला सिह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपतः मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शन्तो भीर पर्वो का, जो उक्त श्राधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस ग्रम्याय में विया गया है।

अनुसुची

1 कनाल 12 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 7373 मार्च, 1977 सब रजिस्ट्रार मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज.

तारीखा: 8/11/77

प्ररूप भाई • टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भटिडा

भटिंडा, दिनाक 8 नवम्बर 1977

निदेश नं० ए० पी० 56 / बी० टी० / 77-78 — यत, मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी म० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त धिनियम के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रम्य घ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिष्टाने में सुविधा के लिए;

भव: श्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणात:—

- (1) श्री गुरदित्ता राम पुत श्री भगवान दास पुत्र श्री धन्नाराम वासी जैन नगरी श्रबोहर तहसील फाजिलका (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीदीवान वन्द पुत्न श्री गोविन्द लाल पुत्न श्रीविधा राम वासी गली न० 13 मडी श्रबोहर तहसील फाजिल्का ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकः शन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्हीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय मे दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मकान 500 वर्ग गज में बना हुआ हैं जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2441 तारीख 31-7-77 में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम अधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 8/11/77 मोहर : प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक द्यायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भटिङा

भटिडा, दिनाक 4 नवम्बर 1977

निदेश न० ए० पी० 57/बी०टी० श्राई० / 77-78.—यत , मझे,पी० एन० मलिक ।

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खिनत बाजार मूच्य 25,000/- कु से प्रधिक है भौर

जिसकी म० जैसे कि अनुसूची में लिखा है । तथा जो मानमा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 1)) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269म के भन्-सरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269 म की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्री श्रात्मा राम पुत्र दौलत राम गली राम प्यारी बाली बार्डन० 1 मानसा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र राम स्वरूप द्वारा गली साउल सर्विस कोर्ट रोड मानसा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त मपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दो ौर पदो का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुष्वी

सम्पत्ति का स्राधा भाग जो कि मानसा में कोर्ट रोड पर हैं जैसा कि रजिस्ट्री न० 28 तारीख श्रप्रैल, 1977 तहसील मानमा म हैं।

> पी० एन० मलिक सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 4/11/77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनाक 4-11-77

निदेश सं० न० ए० पीं०-58/बीं० एन०/77-78-यत. मझे, पी० एन० मलिक

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा क अनुसूची में लिखा जाता है तथा जो मानसा में स्थित है (ग्रीर इसमें पाबन्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रांधकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, दिनाक ग्रप्रैन, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिणत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् '~~ श्री श्रात्मा रामपुर श्री दौलत राम बार्स गर्ल राम प्यारी जवाली वार्ट न० । मानमा

(अन्तरक)

(2) श्री हरीराम पुत श्री राम प्यारी द्वारा गर्ग साऊड मर्विस मानसा

(भ्रन्तिरती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है वह व्यक्ष्ति, जिसके श्रिधिभोग जमे सम्पत्ति है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दो धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20 क मे यथा परिभा-वित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का आधा भाग जो कि मानसा में कोर्ट रोड पर है जैसा कि रजिस्ट्री न० 27 तारीख श्रप्रल, 1977 तहमील मानसा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख . 4/11/77 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1977

निर्देश स० श्रा० ए० सी० / श्रर्जन / 50/67-78 — यतः मुझे, ह० च० श्रीवास्तवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रीर जिमकी स० प्लाट न० 22, मकान न० 814 है तथा जो रेणीमबाग ले-श्राकट, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नागपुर मे रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्या में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) स्रम्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण भें, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:--

- (1) श्री मारोतराव देवाजी खडतकर, सरईपेठ, नागपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नर्मदा बाई धोडबाजी टिकले, सरईपेठ, नागपुर।
- (3) श्रीमती विमला बाई यादवराव कुकडे, कान्होलीबारा, नागपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसुबो

प्लाट न० 22 मकान न० 814, रेशमी आग ले-प्राउट, नागपुर।

> ह० च० श्रीवास्तवा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, नागपुर

तारीखः 16-11-1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायुक्त पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 18 नवम्बर 1977

निदेश न० 3798/ घर्जन/ भेरठ/ 77-78/ 5003 ---श्रत मुझे ग्रार०पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

भौर जिसकी स० 1116 है तथा जो 21-4-77 में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मवाना न० में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 21-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धीर धन्तरक (अन्तरकों) धीर धन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बायत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन स्थिक्तयों. प्रथीत ---- 6---366GI/77

(1) श्रीमती जरीना बेगम पत्नी अतीबुल्ला खान नि० सठला,प० हस्तिन।पुर त० मव।ना, मेरठ

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुन्शी लाल पुत्र राममरन दाम व श्रीमती रामी देवी पत्नी मुन्शी लाल नि० भगवानपुर प० किथीर त० मवाना जिला भेरठ

(ग्रन्तरिती)

को, यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में ोई भी धाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकश्च किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो झौर पदो का, जो 'उक्त झिधनियम', के झध्याय 20-क में यदा-परिभाषित हें, वही झर्थ होगा जो उस झध्याय में दिया गया है

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति कृषि भूमि 5/11) 1.1 बीघा स्थित भगवान-पुर तहसील मवाना जिला मेरठ 34,000) के विकय मूल्य में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजन रेज, कानपुर

तारीख: 18-11-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 18 नवम्बर 1977

निदेश नं० 3848/ श्रर्जन/ मेरठ/ 77-78/ 991 — श्रतः मुझे, श्रार०पी० भागंव

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 1183 है तथा जो मार्च, 1977 में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख 22-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों कां, जिन्हें भारतीय धायकर घ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त घ्रिधिनयम', याधन-कर घ्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात:— (1) श्री योगेन्द्र सिंह पुत्न नैन सिंह नि० ग्राम हसनपुर, परगना, किथौर वर्तमान पता ग्राम मगसोना परगना हस्तिनापुर त० मवाना पोस्ट फलवादा, जिला मेरठ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हंसराज, जैपाल, राजबाल, शशिपाल श्रीर राजिसिह पुत्रगण शिवचरण बदले, सुखबीर सिह, भूले सिह पुत्रगण जीत सिह बदले नि० ग्राम गगसीना, परगना व तहसील सवाना, पोस्त फलवादा, मेरठ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह।

उनत सम्पत्ति के ध्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितब के
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति कृषि भूमि श्रगला न०466ए 7 बीधा 18 विस्वा 13 विस्वाशी श्रौर खमरा न० 466 बी 11 विस्वाशी स्थित ग्राम गगसोना प० हस्तिनापुर तहसील मवाना जिला मेरठ, 45056/ 25 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भागेंव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर

तारी**ख**ं 18-11-1977 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 9 नवम्बर, 1977

स० न० 493 — अयत., मुझे एन० के० नागर। जन
भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६०
से श्रिष्ठिक है

भीर जिसकी स० 5-82-25 है, जो गुन्दूर में स्थित है (भीर इससे पाबद्ध प्रनुसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, ग्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीत्:-- (1) श्री जे० मत्यनारायण (2) जे० प्रकाण (3) जे० लक्ष्मी श्रीनिवासन, (4) जे० विजयकुमार (5) ज० नटराजन, (6) जे० लक्ष्मी सुब्रहमन्य णर्मा, (7) जे० सिवरामकृष्ण प्रसाद भगलागिरि ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जि० पुनिचन्द्राराव गुन्टूर।

(ग्रन्तरिती)

श्रनसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो घोर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस घ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गुन्टूर रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पिक्त अत 30.4.77 में पंजीकृत वस्तावेज न० 1822/77 में निगमित श्रनुसूची सपत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेज काकिनाडा

तारीख . 9-11-77 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ममितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायंक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा दिनाक 9 नवम्बर, 1977

सं० न० 494: - प्रयत , मुझे एन० के० नागराजन भायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी स० 4/283 है, जो कोध्यली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ऐलू रू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाधत, उक्त प्रधि-मियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बा जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

मता, भव, उन्त मिधनियम, की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त मिधनियम की धारा 269-व की उपदास (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- (1) श्री के० वरलक्ष्मीम्मा, देन्दुलू रु

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रल्ला सत्यनारायण वटल्रू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिश्वनियम, के मध्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा को उस भ्रष्टयाय में किया गया है।

अभुसूची

ऐलरु रिजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रत 15-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज न०६ 23/77 में निगमित अनुसूची सपति ।

> एन० के० नागराजन, स**क्षम प्राधिकारी,** स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज , काकिनाडा

सारीख: 9-11-77

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के षधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज काकिनाडा काकिनाडा, दिनाक 9 नवम्बर 1977

स० न० 495 -- श्रयत , मुझे एन० के० का किनाडा श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक हैं

भीर जिसकी स० 4/283 है, जो कोव्यानी में स्थित हैं (भीर इससे पाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऐलूरू में भारतीय रिजर्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख, तारीख 14-3-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्ह भारतीय भायकर मिश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उनत मिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नर्धान निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:— (1) श्री के० वरलक्ष्मी देन्दुलुकः ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० श्रीवेनुगोप।लाबेकटा सुन्धाराव वटल्र (ग्रन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की श्रविध या तस्सबधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितयों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ग्रन्तरक)

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(भन्तरिती)

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभा-षित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

अनुसूचा

ऐल्कू रिजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक ग्रन 15-3-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 622/77 में निगमित श्रनुसूची सपत्ति .

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज काकिनाडा

तारींख · 9-11-77 मोहर · प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर <mark>घायुक्त (निरीक्षण</mark>)

ध्रर्जन रेंज, काकिनाडा

का किनाडा, दिनाक 9 नवम्बर 77

स० त० 496 .--यतः, मुझे एन० के० नागराजन,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 13/289 है, जो गुडिवाडा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय,गुडिवाडा में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 4-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उकत श्रधि-नियम, के भन्नीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

मतः, मन, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण म, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, श्रथीत् :--- (1) श्री पि० वीरवेकट सुब्बान्ना विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ब्रह्मारेड्डी, हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

- (3) 1 श्री पि० परब्रह्मानन्दराव
 - 2 चेश्री भ्रार० एस० प्रकाशराव
 - 3 श्री एन० नरमिहाचारी।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकगे।

ह्यव्हीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रश्चिम नियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रत 15-3-77 में पर्जाकृत दस्तावेज नं० 337/77 में निगमित अनुसूची सपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

नारीख: 9-11-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज काकिनाडा

का किन। डा, दिनाक 9 नवम्बर 1977

सं० न० 497--पत मुझे एन० के० नागराजन
शायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमे इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/४० मे ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-10-14 है, जो गन्टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूपमें विश्वत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गृन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-3-77

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तिरक (ग्रन्तरको) और ग्रन्तिरती (ग्रन्तिरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तिया को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत्न, उक्त प्रधितियम काधारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्पातः -- (1) श्रीमती के० जानिक, मचिकीजटनम ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रीमती एन० सत्यवति गुन्ट्र।

(ग्रन्थिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सपत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के भर्जन के सबध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदो का, श्रो जकत श्रीधानियम के श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रिजस्ट्री ष्रधिकारी से पाक्षिक अत 31-3-77 म पंजीकृत दस्तावेज न० 1172/77 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 9-11-7*7*

प्ररूप भाई० टी० एन० एन० -------

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काक्षिनाडा काकिनाडा, दिनाक १ नवेम्बर 1977

स० न० 498---पन. मुझे एन० के० न(गराजन ग्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चान् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 26-15-154 है, जो वैजाग म स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विसाखपटनम में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरको) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उकत घ्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ मन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :—

(1) श्री बि० नर्शिह् मर्मा विमाखपटनम।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) के० मकानी (2) नारायणवास मंकानी। (श्रन्तरिती)
- (3) (1) रमेश खिल्क होस ।
 - (2) सोनिया (3) मेवासदन चिट फन्डस
 - (4) बोग टैक्सी, विशाखपटनम । (बह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग से सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>प्रजैन के</mark> लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

विसाखपटनम रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक ग्रत 15-3-77 मेपंजीकृत दस्तावेज नं० 601/77 मेनिगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज, काकिनाडा

तारीख 9-11-77 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्चर्णन रेज, काकिनाडा काकिनाडा,दिनाक १नवम्बर 1977

सं० नं०: 499—-यन: मुझे एन० के० नागराजन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क्ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी मं० 26-15-154 है, जो वैजाग मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूण रूप से विणित है), रिजम्ड्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विराखपटनम में भारतीयव्रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रिधीन 25-4-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की' जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत म्रधिनियम, या धन कर म्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रश्न उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निष्निलिखित व्यक्तिमो, अर्थात् ----7—366QI/77 (1) श्रो बिनर्सिह् ममी विसाखपटनम ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री के० मकानी (2) नारायणधास मकानी। वैजाज। (श्रन्सरिती)
- (3) (1) श्री रमेश मिल्क हाउस, (2) सोनिया (3) सेकासदन चिट फन्डस (4) वेग टेलरस, विसाखा-पट्टनम।

(वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो मौर पदो का जो उक्त मधि-नियम के मध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही मधै होगा जो उस मध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

विसाखपटनम रिजस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक अंत 304.77 में पंजीकृत दस्तावेज न०: 1038/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख . 9-11-77 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

(1) श्रीमती के० नसरम्मा, विजयवाडा

(भ्रन्तरक)

षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्रण)

मर्जन रेंज, काकिनाडा

सं० नं० : 500—यत. मुझे एन० के० नागराजन आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी म० 11—33—7 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर श्रन्तिरक (श्रन्तरको) भीर श्रन्तिरती (ग्रन्तिरितियो) के भीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उकत भ्रधितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

ध्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम को धारा 269 ग कं भ्रनुनरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मिचिया व्यक्तियो अर्थान -- (2) श्रीमती ग्रव्दकी मीतालक्षमी (2) श्रीमती ग्रव्दकी राजलक्षमी विजयवाडा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जेन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो सौर पदों का, जो उक्त मिन्न नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अ**नुसूच**ी

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रिष्ठकारी से पाक्षिक श्रत 31-3-77 में पजीकृत दस्तावेज न० : 408/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम ऋधिकारी सहायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, काकिनाडा

ता**रीख**: 9-11-77 मोहर, प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भार्जनरेज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 9 नवम्बर 1977

स० नं०: 501---यत मुझे एन० के० नागराजन ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० में ग्राधिक है

म्रोर जिसकी सं० 11-33-7 है, जो विजयवाडा में स्थित है (म्रोर इससे उपावक मनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-3-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी धाम या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त घिषितयम की घारा 269 ग के घनुसरण में, मं, उक्त घिषित्रम की घारा 269 व की उपधारा (1) के घधीन, निम्निचित व्यक्तियों, घर्षात्:—

- (1) श्रीमती के० नसरम्मा, विजयवाडा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री (1) भ्रद्दकी श्रीनिवासुलु (2) श्रीमती भ्रद्दकी सुजाता, विजयवाडा। (श्रन्तरिती)
- (3) मैसर्स फैन केमिस्ट विजयवाजा। (वह व्यक्ति जिसके ब्रधिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --- इसम प्रयुक्त गब्दो भीर पदो का, जो 'उक्त भिधिनयम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है ।

ग्रन् सूची

विजयवाडा रजिस्ट्री मधिकारी से पॉक्षिक म्रंत 31-3-77 में पंजोक्टत वस्तावेज नं०. 409/77 में निगमित मनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० बी० श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 9→11→77

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के घिधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, का किनाडा

काकिनाडा, विनांक १ नवम्बर 1977

सं० नं०: 502—यत. मुझे एन० के० नागराजन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर्ये से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 28/14 है, जो श्रनकापल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायन ग्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीवकारी के कार्यालय ग्रनकापल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रीवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीव 13-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तिती (ग्रन्तरितियों) के भीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रविनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1)के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—— (1) श्री जि॰ वेंकटा चलपितराय (2) जि॰ हनुमन्तराय श्रमकापल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम॰ नरसिंह मूर्ति, ग्रानदपुरम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

जम् सूची

प्रमक्तापल्ली रिजस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-4-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं०: 1076/77 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एम० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) एम० वी० ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख: 9-11-77

प्रकृप माई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक १ नवम्बर 1977

सं2 नं : 503—यंतः मुझे एन ० के ० नागराजन आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ध्पए से भिधिक है

भीर जिसकी सं० 28/14 है, जो भनकापल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विसाखापटनम में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-4-77 को पूर्शोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से भिधक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरको) कोर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उसत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या मन्य भास्तियो, को, जिन्हें भारतीय झाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत श्रिधिनियम या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में जन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

- (1) श्री जि॰ वेंकट चलपतिराव (2) जि॰ हनुमन्त-राव, ग्रनकापल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सत्यवरपुसूर्यनारायण मृतीं श्रनदपुरम। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी ब्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो उक्स ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

विसाखापटनम रिजस्ट्री ग्रिधिकारी से पॉक्षिक श्रंत 15-4-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं . 833/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

> एम० कें नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 9-11-77

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक १ नवम्बर 1977

सं नं . 504--यतः मुझे एन ० के ० नागराजन धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 576 है, जो जुवलपालेम मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भन्सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उन्डी ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 21-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (मन्तरको) भीर मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधिनियम, के ग्राधीम कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (जा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, अब, उस्त धिरिनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ध की अपनारा (1) के धनीन निम्नलिखित व्यक्तियो. अर्थात् :—

- (1) कुमारी के॰ प्रमीलाराजु ए० ऐ० भीमवरम । (मन्तरक)
- (2) श्रीमती जि॰ कुष्टण्नेणी जुन्वलपालेम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पायीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रो का, जो उक्त धिवियम के ध्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रन्डी रिजस्ट्री श्रिधकारी से पॉक्षिक धत 31-3-77 में पजीकृत वस्तावेज नं० 340/77 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० म्रार्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 9-11-77

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजनरेज, काकिनाडा

काकानाचा, दिनाक १ नवम्बर 1977

स० नं०. 505—यन मुझे एन० के० नागराजन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— र० से अधिक है

श्रौर जिसकी स॰ 576 है, जो जुब्बलपालेंग में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, उन्हीं में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31~3~77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरको) भीर अन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किया भाग या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतोय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः मत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों मर्थातु:—

- (1) कुमारी के० प्रमीलाराजु, ऐ० ऐ० भीमवरम। (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री जि॰ पद्मराज्, जुब्बलपालेम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

उन्डी रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पॉक्षिक ग्रत 31-3-77 पजीकृत दस्तावेज नं०. 364/77 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

नारीख 9-11-77 मोहर: प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

अगयकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, काकिनाडा

का्किनाडा, दिनांक 9 नवम्बर 1977

सं० तं० : 506—यत., मुझे, एत० के० नागराजन, प्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक है,

25,000/- रुपये से भक्षिक है, न्नौर जिसकी स**० 111 है, जो भरटलकोटा में स्थित है (भ्रौर** इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय तुनि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 18~3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है: --

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रितियम, या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के जिल् ;

श्रतः ग्रव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री एम० नारयण मूर्ती, महयश्रारायणपुरम । (धन्तरक)
- 2. (1) तुमु अप्पाराव (2) टि॰ चिट्टेय्या (3) टि॰ सूर्यनारायण (4) राम मूर्ती (5) जि॰ वीराबबाथि अरटलकोटा।

(भन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पच्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

नुनि रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 31-3-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं∘: 557/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

ता**रीख:** 9-11-77

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26 थव (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिना हा, दिनाक 9 नवम्बर, 1977

सं० न०: 507—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममे ध्रमके पण्चात् 'उक्त ग्रिप्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य, 25,000/- क० से श्रिक है

श्रीर जिसकी म० 24/1 श्रीर 24/2 रेस मिल है, जो का किनाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय का विनाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-77

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मृल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थीर मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लियं तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में सस्तिवक करा से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त आधि-नियम के ग्रधीन कर वैने के भन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसने बचने में सुविद्या के लिये, भीर/श
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियः की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रीधिनियम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया काता वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये।

यत: श्रव, उस्त अधिनियम की धारा 269-य के मतृतरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ध्रतीन निम्नलिखिन ध्यक्तिमों, अर्थात् ----8---366GI/77

- श्री के० कीराराजु (2) के० पदमनाभवन किणोर (3) के० पान्मुगराम (4) के० गिरिजामोहन प्रसाद (5) के० बेकायम्मा, काविलाङा (अन्तरक)
- 2 श्री बी० चनमय्या (2) बी० वीर भद्राराष (3) एन० न।रयण नर्मा (4) जि० वेकटारमण (5) जि० सत्यन्नारायण, काविनाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके रूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) ६ स सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमे प्रयुक्त गड्दी श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मे यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रम पस्रो

काफिनाडा रिजिन्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-3-77 में पजीकृत दस्तावेज न०. 1043 से 1060 में निगमित रैस मिल मशीनरी के सत्थ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, नड़ायक प्राप्तकर प्राप्तुकन (प्राप्ता , एम० बी० श्रुजन रेज, काकिनाडा ।

तारीख . 9-11-77 मोहर . प्ररूप माई० टी • एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा,दिनाक 11 नवस्बर 1977

मं० न० 508—यन, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रिधिक है

भ्रोर जिसकी स० 34-1-3 है, जो का किनाडा में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, का किनाडा में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिएरजिस्ट्रेक्टल विलेख के प्रनुसार प्रति ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिपक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ५ तियक निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण कि लिखत में अस्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तियती हारा प्रकट सही किए गया था या किया जाना चाहिए था, लियान के लिए स्कर बनाना।

प्रतः भन, उक्त प्रजितियम की धारा 269-॥ क पत-सरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, धर्षात् श्री पी० सुब्धारायुड्ड, (2) पी० नरसिंहमूर्ती काकिनाडा

(पन्तरक)

श्री एन० वीरागजुकाकिनाका।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सबध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य क्यवित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-कमे यथापरि-भाषित हैं वही ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक ग्रत 15-3-77 में पंजीकृत दस्तानेज नं० 438/77 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर मायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० प्रजैन रेज, काकिनाडा

ना**रीख**. 11-11-77

मोहर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज कार्यालय, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 11 नवम्बर 1977

स०न०: 509—यत. मुझे एन० के० नागराजन
श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
र० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 34-1-2 है, जो काकिन। डामे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकपर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या अन्य, या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सब उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के घनुसरण मे, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, भर्षातः— (1) श्री पी० सुक्झारायुडु (2) पी० ह्याबूराव (3) पी० वेकटराव, काकिनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वीर राज, काकिनाडा

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण—इसमे प्रयुक्त गव्दों भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कािकनाडा रिजस्ट्री श्रिधकारी से पाक्षिक श्रत 15-3-77 में पिजीकृत वस्तावेज नं : 437/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० प्रजेंन रेज, काकिनाडा

तारीख: 11-11-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनाक 11 नवम्बर 1977

सं० नं०: 510—यत मुझे एन० के० नागाराजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से प्रधिक हैं और जिमकी स० 34-1-2 है, जो काकिनाडा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकरर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्सरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम या धन-कर धिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रम उक्त श्रीविनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रीचित, निम्तिनिक्कित व्यक्तियों, अर्थातु:—- (1) पी० सूर्यवे टा सुब्बमना (2) श्रपादा कातम्मा (3) श्रीमती मि० जानकी (4) पी० वेकटरमण, काकिनाडाः

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन॰ वीरराजु, काकिनाडा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त धिनियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रिजस्ट्री भ्रधिकारी से पाक्षिक भ्रत 15-3-77 मे पजीक्कत दस्तावेज नं०: 436/77 मे निगमित भ्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) एम० वी० ग्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 11-11-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11नवम्बर 1977

सं० नं० 511—यतः मुझे एन०के० नागराजन, श्रायकर ग्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिमीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रीमिक है

श्रीर जिसकी सं० 34-1-4 है, जो का किना डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, का किना डा में भारतीय रिजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरको) भौर प्रन्तिती (भ्रन्तिरितेषो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, प्रधात्ः--

(1) श्री पी॰ नारसिंहमूर्ती, काकिनाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीएन० वीरराजु, काकिनाडा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रद्धोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त गड्यों श्रीर पदो का, जो जक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक भ्रत 15-3-77 मे पंजीकृत दस्तावेज नं०: 435/77 में निगमित भ्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० वी० श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारी**ख** . 11-11-77

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर भिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा,दिनाक 11 नवम्बर, 1977

सं० नं०: 512--यतः मुझे एन० के० नागराजन ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है **भ्रौर** जिसकी स० 15/96 सी० जे० 31-22-38 है, जो राजमन्ड्री में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राज-मन्डरी में भारतीय रजिस् रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन 6-4-77 को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (अन्तरका) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय धायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:---

- (1) श्री जि॰ वेंकटाराव मारकोन्डापाडु।
- (ग्रन्तरक)
- (2) (1) श्री एे० येर पारेट्टी (2) एं० सी० एच० मेरकलचारेड्डी, राजमन्द्री ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पत्त के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्नी का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्द्री रिजस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-4-77 में पजीकृत दस्तावेज न० 1081/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन स**क्षम प्राधिकारी,** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),** एम० वी० श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख 11-11-77

परूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, काकिनाडा

का किनाडा, विनाक 11 नवस्बर, 1977

स० न० 513---थन मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० 26-24 श्रीर 25-128 है, जो तनुक् में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तनुक् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकान से भिष्ठिक है और घन्तरक (ग्रन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रस्तरण में हुई किमी भ्राय की साबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुत्रिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रव श्रव, उक्त श्रधिनियम, को धारा 269ग के धन्य मे, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269**थ की** उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपनिनरों, स्थानु:—

(1) श्रीमती श्रातील डैनावित (2) श्रिनिल मुरकी कामराज् विसाकपटन ।

(भ्रस्तरक)

(2) श्री (1) वि० कृष्णम्तीं, (2) वी०श्रीराम-चन्द्रप्रसाद (3) वि० हरनाद (4) वि० वेकट-स्वरलु, (5) वि० मानिक्ष्माराक (6) वि० रिककुमार । तनुकु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाह्नियां करता हं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के प्रध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस प्रान्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तनुकु रजिस्ट्री अधिकारी मे पाक्षिक श्रत 31-3-77 में पजीकृत दस्तावेज न2 587/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), एम० बी० ग्रजन रेज काकिनाडा

तारीख 11~11~77 मोहर

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 15th November 1977

No F 6/15/77-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri M K Rao, Court Master, presently on deputation to Narmada Water Diputes Tribunal, New Delhi as Officiating Assistant Registrar with effect from the afternoon of 14 November, 1977 until further orders.

2 The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Miss S. V. Kashyap, Section Officer as Officiating Assistant Registrar with effect from the afternoon of 14 November, 1977 until further orders

R. SUBBA RAO. Dy. Registrai (Admn)

New Delhi, the 18th November 1977

No F 6/12/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri Ramesh Sharma, Assistant presently on deputtation to Sarkaria Commission of Inquiry New Delhi as Officiating Section Officer with effect from the afternoon of 17 November, 1977, until further orders

MAHESH PRASAD, Asst. Registrar (Admn)

New Delhi, the 19th November 1977

No. F. 22/78-SCA(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966, as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court holidays, during the year 1978.

Name of Holiday	-		 			Date & Month	Day of the week	No. of Days
	_		 	- ——		 	3	4
Republic Day	-					 26 January	Thursday	1
Maha Shivratri						7 March	Tuesday	1
Good Friday .						24 March	Friday	1
Holi .						25 March	Saturday	1
Baisakhi .						13 April	Thursday	1
Ramanayamı .						17 Aprıl	Monday	1
Mahavır Jayanti						21 April	Friday	1
Independence Day						15 August	Tuesday	1
Janamashtami					•	25 August	Friday	1
Idu'l Fitr .		,				6 September	Wednesday	1
Mahatama Gandhi'	s Bu	thday				2 October	Monday	1
Dussehra						9 to 14 October	Monday to Saturday	6
Diwali ,						30 & 31 October	Monday & Tuesday	2
Gurunanak's Birthd	lay			•		14 November	Tuesday	1
Christmas Holidays						18 to 30 December	Monday to Saturday	13

M. P. SAXENA Registrar, Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th November 1977

No A.35017/1/75-Admn II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 22-9-1975, Shri H. R Singh Section Officer of the Office of the AGCR, is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer—a gazetted Class II post in General Service in the office of the Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 9-9-1977 or until further orders, whichever is earlier

P N. MUKHERJFE, Under Secy for Secy

New Delhi-110011, the 19th November 1977

No A 33012/1/75-Admn.II —On completion of his executive training in Manipur State, Shri L. B Sinate assumed the charge of the office of Section Officer in the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 22nd October, 1977.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 16th August 1977

No A-11/12/77.—Shri D N Bazaz, Inspector, Central Fxcise, Chandigarh is appointed to officiate as Enforcement Office on transfer basis in Jullundur Zonal Office of this Directorate with effect from 6-8-1977(AN) and until further orders

The 25th August 1977

No A-11/19/77 —Shri Labh Singh, Inspector, of Income Tax, Patiala is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Jullundur Zonal Office of this Directorate with effect from 10-8-77(FN) and until further orders

The 24th October 1977

No A-11/24/77.—Shri G. S. Birdi Inspector of Central Facise Chandigarh is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Jullundur Zonal Office of Directorate of Enforcement with effect from 10-10-77 and until further orders.

J. N. ARORA, Dy. Director (Admn.) New Delhi, the 17th ctober 1977

No. A-11/22/77.—Shri M. K Chakraborty, Superintendent, Calcutta Zonal Office is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Calcutta Zonal Office of this Directorate w.e.f. 3-10-1977(FN) and until further orders

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTOR GENFRAL, CRP FORCE New Delhi, the 16th November 1977

No. O II-227/69-Estt -- Consequent on his reversion to the nost of Subedar, Shri Hema Ram relinquished charge of post of Deputy Superintendent of Police (Coy Comdr.) 20th Bn. CRPF on the forenoon of 28-10-77.

S B. JAIN, Director.

No D.I-12/77-Estt—On their services having been replaced at the disposal of the CRPF by the I.T.B.P. the following officers are appointed as Dy. S.P. (Coy Comdr.) in the units of this Force w.e.f. the dates noted against each :-

S1. Name of officer No.				U	Inits to which posted	Date of appointment as Dy. S.P. on repatriation from ITBP	
1 2			 		3		
 Shri K.N. Lohani Shri Om Prakash 		· .	·		. 23 Bn. 42 Bn	17-10-77 25-10-77	

No. D.1.-12/77-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the I's BP, Shi D C Kaushik is appointed as Dy S P. (Coy Comdr.) in GC. (Jammu) of this Force wef. the forcnoon of 22nd Oct. '77.

The 21st November 1977

No. O II-1333/76-Estt —Consequent on his repatriation to Sikkim Police, Shri M. K. Chhetri, relinquished charge of the post of Dy S. P. (Coy Comdr.) 36th Bn. CRPF on the after-noon of 16-10-77

No O II-23/77-Estt—The President is pleased to appoint, on deputation, Shi R K Ohri, an IPS Officer of Union Territory Cadre as D.I.G. in the CRP Force

2 Shri Ohri took over charge of the post of Deputy Director, ISA, CRPF Mount Abu on the forenoon of 26th October 1977.

A K BANDYOPADHYAY, Asstt Dir (Admn)

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 21st November 1977

A 38/15/75-Wireless -Shri Jai Prakash Agarwal appointed as Fxtra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of the 9th November, 1977 until further orders

C. P. JOSHI. Director Police Telecom.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 16th November 1977

New Delhi-24, the 16th November 1977

No. E-16014(2)/4/77-Pers —On transfer on deputation

Shri K D Nayai IPS (UT-1967) assumed the charge of the

post of Commandant CISF Unit FCI Naya Nangal with

effect from the forenoon of 17th October 1977

No E-16016/2/77-Pers.—On transfer on deputation from

Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi, Shi

M R Narota, Section Officer of that Ministry assumed the

charge of the post of Section Officer in the office of Inspector

General/CISF, New Delhi with effect from the afternoon

of 27th October 1977

No. E-38013(3)/9/77-Pers —On transfer Shri P, K Lahiri

assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF

assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit OGP Durgapur with effect from afternoon of 7th October 1977 vice Shri N S Yadav Asstt Commandant who on transfer to Meghatuburu relinguished the charge of the said post with effect from the same date.

L S BISHT Inspector General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st November 1977

No. 11/10/76-Ad. I-The President is pleased to extend the ad-hoc appointments of the undermentioned officers as Deputy Directors of Census Operations in the offices of the Directors of Census Operations and for the respective periods mentioned against each of them or till the posts are filled up on regular b whichever is shorter:

S. No. Name	(Office of the Director of Census Operations	Headquarters		Period	Previous reference	
1 2			4		5	6	
1. Shri Arvind Dange	•	Sikkım	Gangtok	to	16-10-77 31-12-77	11-10-76 Ad. I dated 25-10-76	
2. Shri M. Thangaraju		Tamıl Nadu and Pondicherry	Madras	to	4-10-77 31-12-77	Do.	
3. Shri S. Rajendran .	•	Goa, Daman & Diu	Panaji	to	8-9-77 31-12-77	11-10-76 Ad dt. 25-9-76	
4. Shri Jagdish Singh,		Delhi	Delhi	to	28-8-77 31-2-77	11-10-76 Ad dt. 25-2-77	
5. Shri Lal Krishan.	•	Uttar Pradesh	Lucknow	•	6-8-77	11-10-76	
6. Shri S.S.S. Jaiswal .		Uttar Pradesh	Lucknow	to	31- ₁ 2-77 10-11-77	Ad dt. 16-9-76 11-10-76	
7. Shri S.K. Agarwal		Himachal Pradesh	Sımla	to	31-12-77 15-9-77	Ad dt. 20-11-76 11-10-76	
				to	31-12-77	Ad. dt. 25-9-76	

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1977

सं० ए० 19012(88)/77-स्था० ए०--श्री एम० एन० माकोड़े स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 24 ग्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान न्यूरो में वर्ग "ब" के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19012/89/77—स्था०—ए०——श्री एस० सी० नेभानी, स्थाई वरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 24 ग्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक अनुसंधान ग्राधकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19012/101/77—स्था०—ए०——श्री के० बी० देशमुख, स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 22 प्रक्तूबर, 1977 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब॰" के पद में ६० 650— 30—740—35—810—40—1200/—के वेतन में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एल० सी० रणधीर, कार्यालय ग्रध्यक्ष

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

स्रनौपचारिक (प्रौढ़) शिक्षा निदेशालय

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

सं० फा०-5 -7/77 ग्र० (प्रौ०) शि० नि०--शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय से तबादला होने पर (प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर) श्री देस राज क० बहल को 14-7-1977 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की ग्रवधि के लिये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में ग्रनौपचारिक (प्रौढ़) शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक ग्रधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

डी० एन० सक्सेना निदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1977

सं० 10/104/77—एस०—3—महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, श्री एस० काशी विश्वनाथन को, दिनांक 17-10-77 से ग्राकाश-वाणी, तित्रूगढ़ में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 10/68/77-एस०-3-महानिदेशक, स्राकाशवाणी, श्री जे० रंगेंट्या को दिनांक 22-9-77 से दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर, 1977

सं० 4 (47)/77-एस०-1--महानिदेशक, स्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री पीटर बीतार सिंह शेंगप्लयांग को स्राकाशवाणी को हिमा में 3-10-1977 से स्रग्रेतर स्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (82)/77-एस०-1--महानिदेशक, स्राकाश-वाणी, एतद्द्वारा श्री रघुबीर प्रसाद मीना को स्राकाशवाणी, बीकानेर में 15-9-1977 से स्रगले स्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> नन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1976

सं० ए 16-17/75-प्रशा०-1-समाज कल्याण विभाग में प्रतिनियुक्ति पर जाते समय डा० ए० बी० हीरामनी ने 19 अक्तूबर, 1977 पूर्वाह्म से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से उप सहायक महानिदेशक (अनुसंधान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

(ग्रौषधि ग्रनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० ए० 44014/3/77—डी०—-ग्रपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप श्री डी० के० कुलकर्णी ने 30 सितम्बर, 1977 ग्रपराह्म से केन्द्रीय श्रौषधि मानक नियंत्रण संगठन, कस्टम हाऊस कोचीन से तकनीकी श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है श्रौर 12 श्रक्टूबर, 1977 पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रौषधि मानक नियंत्रण संगठन, साताकुज हवाई पत्तन, बम्बई में तकनीकी श्रधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आर० बाल सुबह्मणयन उप श्रौषधि नियंत्रक कृते स्वास्थ्य महानिदेशक

75. Dr. Harihar Padhi .			30-4-1977
76. Dr. A.M. Anto			30-4-1977
77. Dr. V.P. Gupta		•	30-4-1977
78. Dr. C.S. Mani			30-4-1977
79. Dr. Rajendra Pal Gupta			30-4-1977
Female Officers			
1. Dr. (Mrs.) B. Sarkar			1-4-1960
2. Dr. (Mrs.) L. Chadha .			4-5-1965
3. Dr. (Mrs.) A. Cherian			4-5-1965
4. Dr. (Mrs.) B. Barretto.			4-5-1965
5. Dr. (Mrs.) M.P. Paul .			4-5-1965
6. Dr. (Mrs.) J. Basu .		_	4-5-1965
7. Dr. (Miss) J.R. Barua		•	4-5-1965
8. Dr. (Mrs.) P. Chakraborty			4-5-1965
9. Dr. (Miss) Kamala Subaiya			4-5-1965
10. Dr. (Mrs.) Indu Dev .			14-2-1968
11. Dr. (Mrs.) S.A. Rao .			3-2-1971
12. Dr. (Mrs.) Gouri Bagchi (No	ee		
Bhattacharya)			13-6-1971
13. Dr. (Miss) P. Bhatia .			01-1-1972
14. Dr. (Mrs.) S.A. Vaidya		•	31-8-1975
15. Dr. (Mrs.) M. Alphons			31-8-1975
16. Dr. (Mrs.) Geeta Shukla			31-8-1975
17. Dr. (Mrs.) Indurti Rukmini			31-8-1975
18. Dr. (Mrs.) Sobha Khatri			31-8-1975
19. Dr. (Mrs.) A.S. Jaikumar			31-8-1975
20. Dr. (Mrs.) Ramni Khitha			31-8-1975
21. Dr. (Kum.) Premvathi .			1-7-1976

P. N. TRIKHA

Brig.

Director of Heath Services

for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 8th December 1977

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by one point to reach 330 (Three hundred and thirty) during the month of October, 1977. Converted to base: 1949=100 the index for the month of October, 1977 works out to 401 (Four hundred and one).

A. S. BHARADWAJ Joint Director

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th November 1977 (IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/302/55-Admn(G)/8139.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal, Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on ad hoc and temporary basis for a further period of three months with effect from 1-10-1977 or till the regular arrangements are

The 17th November 1977

made, whichever is earlier.

No. 6/417-56-Admn(G)/8192.—The President is pleased to appoint Shri Banarsi Das, a permanent Controller of Imports and Exports as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur with effect from the forenoon of 16th July. 1977 until further orders July. 1977 until further orders.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A.1)

New Delhi, the 19th November 1977

No. A.1/1(585)/III.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Chawl: Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate, on ad hac basis, as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General, at New Delhi with effect from the forenoon of the 5th November 1977 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPTT. OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th October 1977

No. EI-19(6)/63(.).—On attaining the age of annuation Shri Debaprasanna Sen Sarma, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th September, 1977.

> A. C. CHATTOPADHYAY Dy. Iron & Steel Controller for Iron & Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th November 1977

No. A.19012(88)/77-Estt.A.—Shri M. N. Makode, Permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in Group 'B' post on regular basis from the forenoon of 24th October, 1977, until further orders.'

No. Å.19012(8))/77-Estt.A.—Shri S. C. Nebhani, Permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Cre Dressing), Indian Bureau of Mines in Group 'B' post on regular basis from the forenoon of 24th October. 1977 until further orders.

No. A.19012(101)/77-Estt.A.—Shri K. B. Deshmukh, Per-No. A.19012(101)///-Estt.A.—Shri R. B. Deshmukh, Permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing) Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in in Group 'B' post in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis from the forenoon of 22nd, October, 1977 until further order. further order.

> L. C. RANDHIR Head of Office

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE DIRECTORATE OF NONFORMAL (ADULT) **EDUCATION**

New Delhi-110 022, the 9th October 1977

No. F.5-7/77-DNFE.—On Transfer (on deputation) from the Ministry of Education and Social Welfare, Shri Des Raj K. Behl is appointed to officiate as Administrative Officer in the Directorate of Nonformal (Adult) Education, New Delhi, in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 14-7-1977 (F.N.) for a period of two years.

D. N. SAKSENA, Director

DIRECTORATE GENERAL · ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th November 1977

No 10/104/77-SIII—'The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shii S Kasiviswanathan to officiate as Assistant Engineer at AIR, Dibrugarh w.e.f. 17-10-77.

No. 10/68/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J Rangalah to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Hyderabad wef 22-9-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 18th November 1977

No 4(47)/77-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Peter Botar Singh Shangpliang as Programme Executive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity with effect from 31d October, 1977 and until further orders

No 4(82)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Raghuveer Prasad Meena as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from 15th September, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ Deputy Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th November 1977

No 16-17/75-Admn I —While proceeding on deputation to the Department of Social Wellare, Di. A B. Hiramani relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (Research) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the forenoon of 19th October, 1977

S L KUTHIAl A Dy Directoi Administration (O&M)

DRUGS SECTION

New Delhi, the 19th November 1977

No A 44014/3/77-D.—Consequent upon his transfer, Shri D. K Kulkarni relinquished charge of the post of Technical Officei, Central Drugs Standard Control Organisation, Customs House, Cochin on the afternoon of 30th September, 1977, and assumed charge of the post of Technical Officer, Central Drugs Standard Control Organisation, Santa Cruz, Airport, Bombay, on the forenoon of the 12th October, 1977.

R. BALASUBRAMANYAN
Deputy Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 19th November 1977
No A 12026/5/77-DC.—The Director General of Health
Services is pleased to appoint Shri A K Khasnobis, Senior
Scientific Assistant (Pharmacology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Associate Pharmacologist, in
the same Laboratory with effect from the forenoon of
31st October, 1977 on an ad hoc basis and until further
orders

S. S. GOTHOSKAR Drugs Controller (India) for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 15th November 1977

No. F.4-6(128)/77-A III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Mundai Rain, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Mraketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 3-11-77 (F.N.), until further orders

V P CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 3rd November 1977

No. 18(82)/77-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division, appoints S/Shri V R. Krishnamuithy and S S. Rao, temporary Scientific Assistants 'C' and Shri P. A Krishnan, temporary Supervisor (Electrical) as Scientific Officer/Engineers Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 19th November 1977

No. RAPP/Rect/7(8)/77/1542—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri Naval Kishor Nagar, a permanent Upper Division Cleik of Power Projects Engineering Division and officiating Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in a tempotally capacity in the same Project with effect from the foremon of 19-10-1977 until further orders, Shri Nagar officiated as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis from 17-8-1977 to 18-10-1977

No RAPP/Rcct/7(8)/77-1543.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shill S. D. Mehta, a permanent Selection Grade Clerk of Power Projects Engineering Division to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 24-10-1977 until further orders Shri Mehta officiated as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis from 14-1-1974 to 22-4-1976

GOPAL SINGH Administrative Officer(E) for Chief Project Engineer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION Maharashtra-401504, the 27th October 1977

No TAPS/2/767/70—Consequent on his transfer to the Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase & Stoies at Hyderabad vide DAE Office Order No. 20/5(1)/76-CCS dated October 11, 1977, Shri V. D. Choudhary, a permanent Upper Division Clork and officiating Assistant Accounts Officer in Tarapur Atomic Power Station is relieved of his duties in TAPS with effect from October 25, 1977 (Afternoon)

The 31st October 1977

No. TAPS/1/34(1)/77-R—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. R. Radhakrishnan, a temporary Scientific Assistant (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer SB in the same Power Station in temporary capacity with effect from the forenoon of the August 1, 1977.

D V. MARKALE Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 30th October 1977

No A. 32023/1/77/R-17221—The Ploject Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shii M Klishnamoorthy, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer 101 the period from 29-8-77 to 18-10-77 Shri Krishnamoorthy relinquished charge of the post of Assistant Administrative Officer on the forenoon of October 19, 1977

No. A 32023/1/77/R-17221.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K M Velayudhan, an officiating Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity on an ad hoc basis with effect from the forenoon of August 12, 1977 until further orders.

R. H SHANMUKHAM Administrative Officer for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th November 1977

No E(I)00949—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri Parduman Kumar Jam as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th October, 1977 and until further orders.

Shii Jain is posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi

G R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd October 1977

No. A. 32013/6/76-ES—In continuation of this office Notification No. A. 32013/6/76-ES (1) dated the 4th July, 1977 the President is pleased to extend the ad hoc appointment of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector beyond 28-2-1977 and upto the date indicated against each or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S. Name of the Officer No.	 - <u></u> -	Date
1. Shri Anupam Bagchi		22-12-1977
2. Shri S. Majumdar .		27-12-1977
3. Shri H M Phull .		31-12-1977
4. Shri L.A. Mahalingam .		29-12-1977
5. Shri A.K. Ray		31-12-1977
6. Shri S.P. Singh		27-12-1977
7. Shri D.P. Ghosh		22 - 12-1977

No. A 32013/6/76-ES(11).—In continuation of this office Notification No A. 32013/6/76-ES(11) dated the 4th July, 1977, the President is pleased to extend the aid hoc appointment of the undermentioned officers to the grade of Senior Aircraft Inspector beyond 28-2-1977 and upto 31-12-1977 or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

- S. No and Name
 - 1. Shri S L Siivastava
 - 2. Shri Philip Mathew

S, L KHANDPUR Assistant Director of Administration

New Delhi, the 15th November 1977

No A 12034/4/77-EA — Shri K Sunivasan, Assistant Acrodiome Officer, Madias Auport, Madras relinquished charge on the 31st October, 1977 (A.N.) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation

V V, JOHRI Asstt, Director of Administration

New Delhi, the 17th November 1977

No A.32013/8/77-EC—The President is pleased to appoint Shii Kishu Teckchandani, Assistant Director of Communication (Planning) Headquarters, Civil Aviation Department as Controller of Communication on ad luce basis with effect from the 12th October, 1977 (FN) for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier and to post him at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi.

The 19th November 1977

No A 32014/1/77-EC—In continuation of Serial No I of this Department Notification No A 32014/1/77-EC, dated the 13th April, 1977, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad hac appointment of Shil Y. B Bhopatkar as Assistant Communication Officer, ACS, Bombay during the period from 6-4-77 to 7-8-77 vice Shri P. I. David, Assistant Communication Officer granted earned leave.

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rasl Tyre Company Private Limited

Madras-600006, the 16th November 1977

No. 5521/560(5)/77.—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rasi Tyre Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamilnadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Universal Equipments Private Limited

Bombay, the 19th November 1977

No. 12611/560(3) —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Universal Equipments Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Vijaya Bharati Publications Private Limited

Bombay, the 19th November 1977

No 17251/560(3)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Vijaya Bharati Publications Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

_-- _- _- ,_- _- _-

SHRI RAM Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companes Act, 1956 and of R S Guig Steel Rolling & General Mills Private Limited

Jullunday, the 19th November 1977

No G/Stat/560/3354/9099—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the R S Gupta Steel Rolling λ General Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, with be struck off the Register and the said company will be dissolved

S P. TAYAL Registrat of Companies Pb., H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Geeta Tubes Private Limited

Orissa, the 19th November 1977

No. A 501/77-4019(2) -- Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Geeta Tubes Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the watter of the Companies Act, 1956 and of M/s Conak Trading Corporation Private Timited

Oussa, the 19th November 1977

No A 186/77-4018(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Conak Trading Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, with be struck off the Register and the said company will be dissolved

D K PAUL Registrar of Companies Orissa

INCOMETAX APPLILATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 1st November 1977

Iso P 48-Ad(AT)/77-P II—Shii Niianjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registral, Income-tax Appellate Tribunal Amilia ii Bench, Amarcsar on ad hoc basis in a memporary capacity in the time-scale of Rs 650-30-740-35-310 — FB-35-820-46 -1000-EB-40-1200/- for a period of three months with effect from the forenoon of 17th October, 1977 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nonnnee of the Union Public Service Commission, whichever is earlier

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shir Niranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of sentority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

The 8th November 1977

No F 48-Ad(AT)/77-Part II.—The resignation of Shir R, D Yadvendu, officiating Assistant Registrar in the Incometax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore is hereby accepted with effect from the forenoon of 15th June, 1976 as per the terms of his letter dated 30-9-77

S RANGANATHAN President

-- -- -*=*------

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

Dharwar, the 30th November 1977 CORRIGENDA

Notice No. 172/76-77/Acq, dated 31-3-1977—The transferors names published on page No. 1828 (Inglish) in Part-III, Section 1 of the Gazette of India dated 16-4-1977 may please be read as under

- (1) Shii B. Venkataramiah Alias A. Puttiah should read as Shii B. Venkataramiah alias Appaiah, and
- (2) Shri B. Nagaraja Rao should read as Shri B. V. Nagaraja Rao.

Notice No. 193/77-78/Acq, dated 18-10-1977—The transferors names and addresses published on page Nos 5058 and 4979 in English and Hindi version respectively in Part-III Section 1 of the Gazetto of India, dated 5-11-1977 may please be read as under—

- (1) Smt K Soundammal
- (2) Shri K Thamodharan,
- (3) Shri K. Lakshminarayanan, Residing at Raja Street, Komarapalayam, Salem District, (Tamil Nadu)

D C RAJAGOPALAN Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acq Range, Dharwar FORM IJNS ---

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd,
 236, Industrial Area 'A', Ludhiana

(Ttansferor)

(2) M/s Knitting Machineries Syndicate India Private Ltd., through Shri Dinesh Gupta, Managing Director, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No LDH/C/91/76-77—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Fange Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot measuring 1298 sq. yds. No B-23/67/1, situated at Industrial Area 'A', I udhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette

FARIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion in property No. B-23/67/1, Industrial Area 'A', Undhana

(Property as mentioned in the Registered Deed No 2714 dated March, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores we property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 9-11-1977

Seal

FORM ITNS-

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, 236, Industrial Area 'A', Ludhiana,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No LDH/C/86/76-77.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot measuring 972-1/3 sq yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 108) in the Office of Registering Officer at Ludhiana in March, 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. New Era Woollen Mills Private Ltd; Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 972-1/3 sq yds, situated at Industrial Area 'A', Ludhiana,

(Property as mentioned in the Registered deed No 2658 of March, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date · 9-11-1977

Scal:

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd,

236, Industrial Area 'A', Ludhiana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref No. LDH/C/84/76-77—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot measuring 972-1/3 sq yds situated at Industrial Area 'A', Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Ludhiana in March, 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

10-366GI/77

(2) M/s. New Era Woollen Mills Private Ltd Industrial Area 'A', Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 972-1/3 sq yds, situated at Industrial Area 'A'. Ludhiana

(Property as mentioned in the Registered Deed No 2634 of March, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-11-1977

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

SIONER OF INCOME-TAX,

Ludhiana, the 9th November 1977

Ref. No PAT/3/77-78—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Plot No 5/B, situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Match, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction o ifevasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Lt. Com Sunder Singh Bawa, \$/0
Bawa Gurdial Singh,
INS Navy Engineer,
R/o Shaheed Bhagat Singh Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur Pandher, w/o Shri Tejwant Singh Pandher (Ltd), R/o 5-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1,333 sq yds, No. 5/B situated in Model Town, Patiala

(Property as mentioned in the Registered Deed No 5866 of March, 1977 of the Registering Authority, Uatiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 9-11-1977

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madias-6, the 14th November 1977

Ref. No 7/MAR/77 -- Whereas, I. A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 7 situated at Mundy Street, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore (Doc No. 624/77) in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property

and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '-

- k. Desabandhu Mudaliar,
 - 2. A Kuppusamy Mudaliar,
 3 A. K. D Raja Sabapathi,
 4 A K D Dakshinamurthi,
 No. 109, Arugadampoondi Selavanpalayam Street,
 Thottapalayam, Vellore, North Arcot district.

(Transteror)

(2) Shii M Sundaresan, S/o Shii M. E. Manicka Mudaliai, 80, Sunnambukara Street, Vellore

(Transferee)

(3) Indian Bank

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period 30 days from the service of notice on the 1espective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1112 sft & 4 sq. in with building thereon at door No 7 (Survey Nos. 355 and 463), Mundy Street, Vellore 632003

A. T GOVINDAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date . 14-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1977

Ref. No. 8/MAR. 77 -- Whereas, I, A T. GOVINDAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No 7 situated at Mundy Street, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vellore (Doc. No 623/77) in March, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

- (1) I A K Desabandhu Mudaliai, 2 A K D Raja Sabapathi;3. D. Jagadesan
 - 4. A K. D. Dakshmamurthi, No 109, Arugadampoondi Selavanpalayam Street, Thottapalayam, Vellore, North Arcot district.

(Transferor)

(2) Shri M. E. Manicka Mudaliai, 80, Sunnambukara Sticet, Vellore

(Trunsferee)

(3) Indian Bank (Person in occupation of the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

Explanation '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 1112 sft & 4 sq in with building thereon at door No 7 (Survey Nos. 355 and 463), Mundy Street, Vellore 632003.

A. T. GOVINDAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date 14-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th November 1977

Ref. No. 9/MAR/77—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No 7 situated at Mundy Street, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vellore (Doc No 622/77) in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- 1) 1 A. K. Desabandhu Mudaliar,
 2. A. K. D. Raja Sabapathi,
 3 Jagadesan
 4 A. K. D. Dakshinamurthi,
 No. 109, Arugadampoondi Selavanpalayam Street,
 Thottapalayam, Vellore, North Arcot district.

 (Transferors)
- (2) Shri M Shanmugam, 80, Sunnambukata Street, Vellore.

(Transferee)

(3) Indian Bank

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1112 sft & 4 sq in with building thereon at door No 7 (Survey Nos. 355 and 463), Mundy Street, Vellore 632003

A T GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-6

Date 14-11-1977

NOTICE UNDIR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1977

Ref.No 19/MAR/77—Whereas, I, A T, GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 89/2 & 92, situated at Olakka Chinnanur village, Salem district

(and more fully described in the Schedule annexed licieto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sankarıdurg Doc No. 183/77) in March, 1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Iau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shii Marappa Goundai,

2. Smt. Rajammalw/o Shti Marappa Goundar, 3 Miss Rajammal (minor) by father & guardian Sl. No 1.

4 Smt. Thangammal, W/o Raja Goundar,

- 5 Raja Goundar by mother & 6. Un-named male child guardian Sl. No. 4,
- Smt Palani Ammal, W/o Ganesa Goundai,
 Un-named male child, by mother & guardian Sl. No. 7,

Olakku Chinnanur village, Salem district. (Transferor)

(2) 1 Shri Sendiaya Nadar,

2 Shri Ramasami,

3. Smt. Kaiuppayammal, W/o Sl No 1
4. Smt. Sampoornam, W/o Sl No 2,
Olakka Chinnanur, Sankaii taluk,
Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons whin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 38½ cents in survey Nos 89/2 (338½ acres), and 92 (1 acre) (with undivided 1/3rd share in wells in S No 92), at Olakka Chinnanur village, Salem district

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-6

Date: 16-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th November 1977

Ref. No 23/MAR/77.—Whereas, I, A. T GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

7 situated at Vinayakar Koil Street, Keeianoor, Palani taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palani (Doc. No 157/77) in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs M A Meharunnisa, W/o Shii M. K. M Abdus Hathi, No. 27, Shanmugapuram, Palani

(Transferor)

(2) Shri M S. Abdul Salem, No. 7, Jupiter House, Vinayagar Koil Street, Keeranur, Palani taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15,240 sft, with building thereon at door No 7 (Survey No 130/1C1C). Vinayagar Koil Street, Keeranoor, Palani taluk

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date 16-11-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri A Chandrasekara Nadar, Velipattinam Ramanathapuram,

(Transferor)

(2) Smt Saffuran Jameela, D/o A S Abdul Kareem, Kusavankudi, Ramnad district

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1977

Ref. No 22/MAR/77,—Whereas, I A T GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. 217A, 216C, 216D & 216E situated at Vandikkaran Street, Main Road, Ramanathapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ramanathapuram (Doc. No. 89/77) on March, 1977

for an appaient consideration which is less than the tair market value of the aforcand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building thereon at door Nos 217A, 216C, 216D and 216E, Vandikkaran Street, Main Road, Ramanathapuram

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date 17-11-1977,

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M Sivadoss Menon, Golden Valley Estate, Nagalur PO Yercaud.

(Transferor)

(2) Smt. P Shantha, W/o late T, Pountajan, Shantha Valley Estate, Assambur P.O. Yercaud.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madias-6, the 17th November 1977

Ref No. 31/MAR/77—Whereas, I, A T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Veppadi village, Yercaud, Salem district (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc No 39/77) on 23-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11--366GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 16 acres and 18 cents at Veppadi village, Yeicaud, Salem district bearing the following RS. Nos.

RS 1	No.	5/2	2.00	Acres
RS	No	6/1	0 03	Acres
R S. 1	No	6/2	2.36	Acres
R S. 1	No.	7	2.25	Acres
RS.	No.	8/2	1.98	Acres
R.S.	No.	10/3	1,95	Acres
R.S			0 04	Acres
RS.	No	12	5.42	Acres
RS.			0,15	Acres
			Total 16.18	

A T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Magras-6

Date: 17-11-1977,

FORM ITNS----

(1) Shri Kandasami, Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arumuga Perumal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1977

Ref No 33/MAR/77 — Whereas, I, A. T GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kılaraja Kularaman (Doc No 144/77) on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herev initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties covered by Document No 144/77 registered with the sub-registrar, Kilaraja Kulaiaman, during March, 1977

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-6

Date : 17-11-1977

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1977

Ref. No 35/MAR/77—Wheleas, I, A T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Narasingapuram village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed heicto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athur (Doc No 404/77) on 25-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Chella Mooppar alias Chinnappan, Smt. Guruvayammal, W/o Chinnappan, Shii Asaithambi, S/o Chinnappan, Narasingapuram, Athur taluk

(Transferor)

(2) Shri Muthusami Goundar, S/o Karuppanna Goundar, Narasingapuram Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 acres and 46 cents in survey Nos 399/4D (0.85 acre), 399/4G (0.69 acre), 399/1E (0.22 acre), 399/5 (0.74 acre), 403/1D (4.67 acres) and 499/4D (0.29 acre) with one well and 7½ HP motor pumpset in S No 499/4D, at Narasingapuram village, Athur taluk, Salem district.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date · 17-11-1977.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1977

Ref. No. 38/MAR/77.—Whereas, I, A. T GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No situated at Kasturipatti and Sankau villages land more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sankari (Doc. No 189/77) on March, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) 1. Smt Regina Rathnam, 2 Smt Ruby Susanna Devi,

Smt. Philominal,
Door No 1.13 19, Old Edappadi Road,
Chinna Goundanoor village,
Sankari town, Salem district.

(Transferoi)

(2) Shri P. Palanisamı Goundar, Alfred Thottam, Sankarı village, Sankarı town, Salem district.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/10th undivided share out of undivided 1/11th share in the following properties

I. Kasturipatti village survey no 6/1

2.86 acres with well 2.52 "

II. Sankary village: 7.83 " survey no 172/1 7.58 " 172/24.06 " (with well) 172/4 .. 172/5 1.31 ,, 216/1 12 40 ٠, 8 30 116/2072 " (with buildings-237/2 salem-Bhavanı Road). Undivided •• 3/10th/share out of 1/11th Ш 233/1 undivided shale in one wel 3/10th undivided share out of 1/11th undivided share in land measuring 164'1102' together with buildings and fittings theron at old Edappadi Road īν 543/1

A. T. GOVINDAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date 17-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1977

Ref. No. 39/MAR/77—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/7 and bearing

Survey No. 141/1 situated at Kasturipatti village,

Salem district

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sankandrug (Doc No 191/77) on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

M/s Nachiappa & Co, by paitners M/s—
 C Subramaniam,
 S Shanmugam,
 S. Sengottuvelu,
 Di. K Kandasamy,
 K. Venkatesan,
 Di. C. Nachiappan,
 Swarnapuri, Salem-4.

(Transferor)

(2) Shii S. Balakrishnan, No 78, No 1 Road, SVA Extension, Tiruchengode, Salem district

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 630 acres with buildings thereon at Survey' No 141/1, Kasturipatti village, Salem district.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 17-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri T M. Subramania Goundar, Smt. Valliammal, Pilliar Koil Street, Rasathupuram village, Walaja taluk.

(Transferor)

(2) Shii T. M. Abdul Gafoor, Daiga Street, Melvishaiam village, Walaja taluk,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madias-6, the 17th November 1977

Ref No 42/MAR/77—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 309/1B & 309/1A situated at Melvisharam, North Arcot district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arcot (Doc No 469/77) in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Agricultural lands measuring 5 acres and 77 cents in survey Nos. 309/1B (0.77 acres) and 309/1A (5 acres with one well, 3 HP motor pumpset, 22 coconut trees, 42 palm trees, etc.) at Melvisharam village, Walaja taluk

A. T GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date 17-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Dr. A Mohan Rao S/o Shii A. Naiayana Rao Plot No. 82, Raja Annamalai Chettiar Road, S. R. P. Colony Coimbatoie

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1977

Rei No F 4270/77-78—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 83 Annamalai Chettiai Road situated at S R P Nagar, Combatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc No. 289/77), on 21-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

(2) Smt Kamala W/o Shri B. Jeevanchand Jain No 27 Raja Annamalai Chettiar Road, S. R P Colony Combatore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5000 sq. ft. (with building) and bearing Door No 83, Annamalai Chettiar, Road, S. R. P. Nagai, Coimbatore (Doc No 289/77 SRO, Gandhiputam)

K PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-II, Madras-6

Date · 19-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1977

F. No 5503/76-77 -- Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/105 Mount Road, Madras, situated at 1/3rd share in the land and the entire ground floor construction (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Madras North (Doc. No 732/77) on 23-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction o revasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. The Madras Investments and Construction Corporation, No. 112, Lloyds Road, Madras

(Transferor)

(2) Mts N Jamila W/o Shri H R. Noor Mohamed No. 35, Showkat Ali Street, Koothanallui, Thanjavar Dt

(Transferee)

*(3) M/s. Biny Ltd

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in the land and the entire ground floor construction situated at No. 1/105 Mount Road, Madias-18.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-II, Madras-6.

Date 19-11-1977

 M/s Investments & Construction Corporation, No 112, Lloyds Road, Madras-86

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N R Noor Mohamed, No 17A, Savia Street, Koothanallur, Tanjore Dist

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*(3) State Bank of India.

(Persons in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1977

Ref. No. F 5503/76-77—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/105 Mount Road, Madras situated at (2/31d share in land and the entire first & second floors)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III, Madras North (Doc 733/77), on 23-3-1977 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

2/31d shate in the land and the entire first and second floor constructions situated at door No. 1/105, Mount Road, Madras-18.

K PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I Hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 19-11-1977.

FORM ITNS

 Shri R. Rajan No. 17/1 Abhiramapuram 4th St., Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. C. V. Krishnan represented by Power Agent Shri C. V. Mani 45/1 South West Boag Road, Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1977

Ref No. F 5568/77-78—Whereas I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 15, Mahalingam Chetty Street situated at Nungambakkam, Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T/Nagar, Madras (Doc No. 237/77) on 28-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Ground & 220 Sft. (with building) situated at Door No. 15, Mahalingam Chetty Street, Nungambakkam, Madras-34, (Doc. No. 237/77 T. Nagar, Madras).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Madras-6.

Date · 19-11-1977.

(1) Shri Kumudbandhu Chatterjec

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jayendra Kumar Sukhlal Shah Trustee
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

IAC ACQ. R-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd November 1977

Ref. No. AC-26/Acq/R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. Singh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No situated at Mouza Biswanthpur P. S.—Deganga, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore, 24-Pgs. on 11-3-1977

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 32 Acre together with two storied building thereon measuring 11,200 Sft. situated at Mouza Biswanathpur P.S Deganga, Dist. 24-Pgs. more particularly as per deed No 1491 dated 11-3-1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range IV, Calcutta-16.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date 23-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

Now Delhi, the 19th November 1977

Ref No IAC/Acq.I/SR.III/31/May-I(5)/77-78/4089.—Whereas, I, J S GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. M-182 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of at New Delhi on May 1977,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S K Taparia (Adopted) S/o (Late) Sh. Bishamber Sahai, r/o, C-2/23, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Kuldip Singh s/o Shri Diwan Chand, c/o Shri Ramesh Sakhuja, r/o N-82, Gieater Kailash-I, New Delhi-48

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 182, Block No. 'M' measuring 300 sq yds. in the residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi in the limits of Delhi Municipal Corporation, Village Bahapur, Delhi State and bounded as under:—

as under:—

East . Road

West : Service Lane
North · Plot No. M-180

South · Plot No M-184

J. S GII L
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date · 19-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 19th November 1977

Ref. No. IAS/Acq I/SR III/48/May-II(18)/77-78/4089.--Whereas, I, J S. GILL being the Competent Authority under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No C-II/151 situated at Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on May 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Smt. Rameli Bai, wd/o. Sh. Thakur Dass, r/o Shop No. 10, Nizammudin West, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ish Kumat Chawla, s/o Sh. Chhatta Ram Chawla, 1/0 C-II/151, Lajpat Nagar, New Delyhi

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A lease-hold quarter No. C-II/151, measuring 100 sq yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi and bounded as under .—

East . Road West : Lane North . Qr. No. 150 South : Qr. No. 146.

J. S. GILL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Delhi/Uew Delhi.

Date: 19-11-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 19th November 1977

Ref. No IAC/Ac.1/SR III/28/April-II(26)/77-78/4089 — Whereas, I, J S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No K-35 situated at Jungpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Amar Nath, s/o Sh. Prabhu Dayal, and Sh Daya Nand, s/o Sh. Ghela Ræm, both 1/o, K-35, Jungpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Moinuddin, s/o. Sh. Azimuddin and Smt. Zakaria Begum, w/o Sh. Abdul Aziz, r/o 2418, Tuikaman Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 sq. yds, beating No. 35, Block No. 'K' situated at Jungpura Extension, New Delhi

J. S. GILL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date . 19-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th November 1977

Ref. No AP- No. 54/BTI/77-78 —Whereas, I, P N Malik,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar, in March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chander Mohan s/o Smt Laaj Rani d/o. Sh Gopal Dass, r/o. Abohar. Smt. Kiran Rani d/o Smt Laaj Rani, r/o. Abohar (Transferor)

(2) Shri Gopi Lal s/o Shri Pahu Lal s/o Sh Pyare Lal, r/o Abohar.

(Transferee)

- *(3) As per S No. 2.
 (Person in occupation of the property).
- *(4) Anybody interested in the property

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house on an area of 130 sq yards and 6 sq. ft situated at Abohat as mentioned in registration deed No 2326 of March, 1977 registered with the S R Abohar

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Bhatinda

Date 8-11-1977

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th November 1977

Ref. No AP No. 55/BTI/77-78 —Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Vaid Jaswant Singh s/o Sh Kiipal Singh s/o Sh Gulab Singh, r/o Moga Mehla Singh, Moga.

 (Transferoi)
- (2) Dr Balbir Kaur Dhaliwal w/o Dr Manmohan Singh Dhaliwal, Dhaliwal Hospital, Partap Road, Moga.

(Transferce)

- (3) As per S No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal 12 Marlas situated in Moga Mehla Singh as mentioned in registration deed No 7373 registered with the S R. Moga

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Bhatinda.

Date · 8-11-1977.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th November 1977

Ref. No. AP No. 56/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
13—366GI/77

(1) Shr₁ Gurditta Ram s/o Sh Bhagwan Dass s/o Shr₁ Dhanna Ram, r/o Jain Nagri, Abohar

(Transferor)

- (2) Shri Dewan Chand s/o Shri Gobind Lal, s/o. Shri Nidha Ram, r/o. Street No. 13, Abohar.
 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house in an area of 100 sq ft. situated at Jammu Basti, Abohar, as mentioned in sale deed No. 2441 of March, 1977 with the S. R. Abohar.

P. N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Bhatinda.

Date: 8-11-1977.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 4th November 1977

Ref. No. AP-57/BTI/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Atma Ram s/o. Shri Daulat Ram, r/o Gali Ram Piari Wali, Ward No. 1, Mansa

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal s/o Sh Ram Sarup c/o M/s. Garg Sound Service, Court Road, Mansa

(Transteree)

- (3) As per S No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop-cum-residential building at Mansa as mentioned in registration deed No. 28 of April, 1977 registered with the S. R. Mansa.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Bhatinda.

Date: 4-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 4th November 1977

Ref. No. AP-58/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mansa in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Atma Ram s/o. Sh. Daulat Ram, r/o Gali Ram Piari Wali, Ward No 1, Mensa.

(Transferor)

(2) Shri Hari Ram s/o Shri Ram Sarup, C/o M/s Garg Sound Service, Mansa.

(Transferee)

- (3) As per S No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Anybody interested in the property.

 (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop-cum-residential building at Mansa at mentioned in registration deed No 27 of April, 1977 registered with the S.R. Mansa.

P. N MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Bhalinda.

Date . 4-11-1977

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 16th November 1977

Ref No IAC/ACQ/50/77/78.—Whereas, I, H C SRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Plot No. 22, House No. 814, Reshambagh Layout, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Nagpur on 16-6-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Marotrao Dovaji Khadatkar Saraipeth, Nagpur.

(Transferor)

- (2) 1 Smt Narmadabai Dhondbaji Tikle, Saraipeth, Nagpur.
 - 2. Smt Vimalabai Yadaorao Kukde, Kanholibara, Tal. & Distt. Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 22, House No 814, Reshambagh Layout. Nagpur

H. C SRIVASTAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 16-11-1977

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th November 1977

Ref No Λcq/379-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mawana on 21-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-

for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acressed property by the issue o this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Jarina Begum W/o Atikulla Khan R/o Sathla, Parg Hastinapui,

Teh Mawana, Meerut,

(Transferor)

(2) Shri Munshi Lal S/o Ram Shaian Das and Smt. Ramo Devi W/o Munshi Lal R/o Bhagwanpur, Parg Kithaur Teh. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land mensuring 511.1.1 Bighas situated at Vill. Bhagwanpur, Teh. Mawana, Distt. Meerut, Transferred for an Apparent consideration of Rs. 34,000/-.

R P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date . 18-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th November 1977

Ref. No Acq/384-A/Meerut/77-78—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Yogendra Singh S/o Nain Singh R/o Vill. Hasanpur, Parg Kithaur, Present Address: Vill. Gangasuna, Parg. Hastinapur, Teh Mawana, PO. Phalwada, Distt, Meerut.
- (2) S/Shri Hansraj, Jaipal, Rajpal, Sheeshpal and Raj Singh Ss/o Shive Charan Badle, Sukhveer Singh and Mule Singh, Ss/o Jeet Singh Badle R/o Vill. Gangasuna, Parg. & Teh. Mawana, P.O Phalwada, Meerut.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agrl. land bearing Khasra No. 466-A, measuring 7 Bigha, 18 Biswa and 13 Biswansi and Khasra No 466-B, measuring 11 Biswansi situated at Vill. Gangasauna, Parg Hastinapur, Teh. Mawana, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 45.056/25.

R P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date · 18-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref. No. Acq. File No. 493 —Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 5-82-25 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntui on 29-4-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jagarlappudi Satyanaiayana M/G father J. Satyanarayana
 - 2 l. Prakash
 - 3 J. Laxmi Srinivas
 - 4 J Vıjayakumar
 - 5 J Nataraj GPA Holder Sii J Laxmi Subrahamnyasarma, Mangalgiri.
 - 6 J. Laxmisubrahmanya Sarma
 - J. Sivaramakrishna Prasad, C/o Agent, Central Bank, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Ginjupallı Purnachandranao, Principal, Purna Tutorial College, Pandaripuram, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1822/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-4-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakınada

Date: 9-11-1977

 Smt Korlipara Varalaxmamma, W/o Viswanatha Venkatachalam, Denduluru, Eluru Taluk, W G D.T.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alla Satyanarayana, Vatluru, Eluru Taluk

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th November 1977

Ref. No Acq. File No. 494.—Whereas, I, N. K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 4/2 & 3 situated at Kovvali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Eluru on 14-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 623/77 registered before the Sub-Registrar, Eluru during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No. Acq. File No 495—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 4/2 & 3 situated at Kovvali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 14-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

-366GJ/77

(1) Snit Korlipara Varalaxmamma, W/o Viswanatha VenkatachaJam, Denduluru, Eluru Taluk, W.G D T.

(Transferor)

(2) Kommana Srivenugopala Vebkata Subbarao, S/o Venkataramaiah, Vatlauru, Eluru Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 622/77 registered before the Sub-Registrar, Eluru during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date . 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No. Acq File No 496 -Whereas, I, N K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/289 situated at Gudivada

(and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 4-3-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Puligadda Veera Venkata Subbamma, W/o Veeralah Naidu Retired Head Constable, 22nd Ward, Scetharamapuram, Vnavawada

(Transferor)

(2) Mallneddy Brahmareddy, S/o Veeraraghavareddy, New Railway Colony, Moulali, Hyderabad-40.

(Transferee)

(3) 1. P Parabrahmanadarao, 2 R. S. Prakasarao,3 N. Narasimhachari Gudivada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 337/77 registered before the Sub-Registrar, Gudivada during the fortnight ended on 15-3-1977.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 69D(1) OF THE INCOML-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Rei No. Acq. File No. 497.—Whereas, I, N. K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5-10-14 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 31-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Ketharaju Janaki, W/o Subbarao, Machilipatnam, Krishna District.

(Transferor)

(2) Mikkineni Satyavathi,W/o Sitaramadas,Door No 5-10-14, Brodipeta, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1172/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date - 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th November 1977

Ref. No. Acq. File No. 498.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

26-15-154 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 14-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bayya Naiasimha Saima, S/o B. S. Mahadeva Sastry, Krishnanagar, Door No. 15-10-3, Visakhapatnam-II.

('Iransferor)

(2) 1. Shu Khemchand Mankani, By L/R Naraindas Mankani, Naraindas Mankani,

Sonia, Main Road, V_{1Zag} .

(Transferee)

(3) 1 M/s Ramesh Silk House,

Soma.

2. M/s 3 M/s M/s. Sevasandan Chit Funds,

M/s. Vogue Tailors, Main Road, Visakhapatnam 4. M/s.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 601/77 registered before the Sub-Registrat, Visal hapatnam during the fortnight ended on 15-3-1977.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada

Date 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref. No. Acq File No 499—Wheicas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No

26-15-154 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 25-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Bayya Narasimha Saima, S/o B S. Mahadeva Sastiy, Krishnanagai, Door No 15-10-3, Visakhapatnam-II.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Khemchand Mankani, By L/R Naiaindas Mankani,
 - Naraindas Mankani, Sonia, Main Road, Vizag.

(Transferee

- 3 M/8 Sevansadan Chit Funds,
- 2 M/s Soma,
- 3. M/s. Sevasandan Chit Funds,
- 4 Vogue Tailors, Main Road, Visakhapatnam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1038/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-4-1977

N K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Pate 9-11-1977 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INGOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref. No Acq File No. 500 —Whereas, 1, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000 and bearing No

11-33-7 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

 Smt. Kanigicharla Nasaramma, W/o Late Satyanarayana, Tatakulavari Street, Vijayawada-I.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Addanki Sitalaxmi, W/o Late Venkata Subbaiah,
 - 2. Smt. Addanki Rajyalaxmi,
 W/o Siva Koteswaiaiao,
 C/o Vijaya Medical Distributors,
 Tatakulavari Street,
 Vijayawada.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in (hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 408/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-3-1977.

N K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge, Kakinada.

Date , 9-11-1977 Seal ,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

:_ ____:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 9th November 1977

Ref. No. Acq. File No. 501.—Whereas, I, N K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 11-33-7 situated at Vijaywada

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 21-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have net been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) Smt Kanıgicharla Nasaramma w/o Satyanarayana, Tatakulavarı Street, Vijayawada-I
- (2) 1 Addanki Simivasulu, S/o Venkata Subbaiah
 2 Smt. Addanki Sujata, W/o Kiishnarao, C/o Vijaya Medical Distributors, Tatakulavaii Street, Vijayawada-I
- (3) M/s Fine Chemist, Vijayawada-I.

(Person in occupation of the property)

__ = = = .__ _ - .__

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No 409/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-3-1977

N. K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada,

Date · 9-11-1977 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th November 1977

Ref. No Acq File No. 502.—Whereas, I, N K NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Asst. 28/14 situated at Anakapalli

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anakapalli on 13-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 19/22 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Grandhi Venkata Chalapathirao,
 2 G Hanumantharao,
 Co Auto General Engineering Co,
 Main Road, Anakapalli

(Transferor)

(2) Sh Satyavarapu Narasimhamurty, S/o Venkutarayulu, Anandapuram, Varada (PO), Chodavaram Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1076/77 registered before the Sub-Registrar, Anakapalli during the fortnight ended on 15-4-1977,

N. K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada

Date · 9-11-1977

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No. Acq.FilcNo.503.—Whereas, I, N. K NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market valune exceeding Rs 25,000/- and bearing No Asst 28/14 situated at Anakapalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapalli on 13-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

15-366GI/77

- (1) 1. Grandhi Venkata Chalapathiiao,
 - G. Hanumantharao,
 C/o Auto General Engineering Co,
 Main Road, Anakapalli,

(Transferor)

(2) Satyavarapu Suryanarayanamurty, S/o Natasimhamurty Anandapuram VARADA (PO) Chodavaram Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No 833/77 registered before the Sub-Registrar, Anakapalla during the fortnight ended on 15-4-1977

N. K NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionei of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date · 9-11-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5722

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No Acq. File No 504.—Whereas, I, N K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

RS No 576 situated at Juvvalapalem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Undi on 21-3-1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Km Kosurı Prameelaraju, D/o Sıtaramaraju, Aı-Bhimavaram, Bhimavaram Taluk, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Smt Gadiraju Krishnaveni, W/o Padmaiaju, Juvvalapalem, Bhimavaiam Taluk, W.G Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 340/77 registered before the Sub-Registrar, Undi during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Km Kosurı Prameela1aju, D/o Sitaramaraju, A1-Bhimavaram, Bhimavaram Taluk, W.G. Dt.

(Transfecor)

(2) Shri Gadiraju Padmaraju, S/o Suryanarayanaraju, Juvvalapalem, Bhimavaram Taluk, W.G Dt

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th November 1977

Ref No. Acq. File No 505.—Whereas, I, N. K NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 576 situated at Juvvalapalem

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Undi on 21-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No 340/77 registered before the Sub-Registrar, Undi during the fortnight ended on 31-3-1977.

N. K NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No Acq File No 506.-Whereas, I, N K NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

111 situated at Aratlakota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Tun: on 18-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mullapudi Naiayana Murty, S/o Sriramulu Satyanarayanapuram, Hamlet of Ankapallı.

(Transferor)

(2) 1. Tumu Appaiao, S/o Venkata Swamy

Aratlakota, Vellamanchili Tq, Vizag Dist.

T Chitteyya, Aiatlakota, Vellamanchili Tq., Vizag Dist.

3. T Suryanai ayana

Aratlakota, Vellamanchili Tq, Vizag Dist,

Ramamurty Aratlakota, Vellamanchili Tq, Vizag Dist Gamasala Verrabbai,

S/o Tammanna Aratlakota, Vellamanchili Tq, Vizag Dist

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per rgistered document. No 557/77 registered before the Sub-Registrar, Tuni during the fortnight ended on 31-3-77

N K. NAGARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakınada

Date 9-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 9th November 1977

Ref No. Acq File No 507 - Wheras, I, N K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

RS No 24/1 and 24/2 Rice Mill, situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakınıda on 30-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by, the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1Kosaru Veeratam.

- K. Padmabhushna Kishote
- 3 K. Shanmugaram,
- 4. K Girijamohanpi asad, 5 K. Venkayamma,
 - W/o Ramaswamy, J C Pui, Kakinada

(Transferor)

(2) 1 Batchu Chalamaiah,

- B. Veerabhadrarao, Nookala Narayanasarma Grandhi Venkataramana, 3
- G. Satyanarayana, Warf Road, Kakınada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. between 1043 to 1060 registered before the Sub-Registrar Kakınada during the fortnight ended on 31-3-1977. (Entire Rice Mill including machinery).

N K. NAGARAJAN Competent Authority Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakınada

9-11-1977 Date

5726

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Parupudi Subbaraidu,
 - 2. Parupudi Narasımhamurty, Temple Street, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shri Narkedamilli Veerraju, S/o Sitaramaswamy, Kakinada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 11th November 1977

Ref.o No Acq. File No. 508 —Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

34-1-3 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 438/77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortught ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date · 11-11-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 11th November 1977

Ref. No. Acq.File No 509—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-1-2 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 15-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. P. Subbaraidu

2 P. Bapurao

 P Venkatarao M/G father P. Subbaraidu, Tilak Street, Kakinada.

(Transferor)

(2) N Veerraju, Kakinada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 437/77 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 11-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th November 1977

Ref. No. Acq File No 510 - Whereas, J. N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 34-1-2 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakınada on 15-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) 1 P. Suryavenkatasubbama, W/o late Baburao
 - 2. Steepada Kantamma, W/o Jogarao
 - 3. Bhamidipati Janaki
 - W/o Suryanarayana
 4. Smt. P. Venkataramana,
 W/o Murali
 GPA Holder P. Subbaraidu,
 Temple St., Kakınada.

(Transferoi)

(2) N. Veerraju, Kakınada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 436/77 registered before the Sub-Registrar, Kakınada during the fortnight ended on 15-3-1977.

N K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakınada

Date: 11-11-1977.

Scal:

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME.TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th November 1977

Ref. No. Acq. File No. 511—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34-1-2 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 15-3-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Narasimhamurty, Temple Street, Kakinada.

(Transferor)

 N. Veerraju, Kakınada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 435/77 registered before the Sub-Registrar, Kakınada during the fortnight ended on 15-3-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date . 11-11-1977

Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 11th November 1977

Ref. No. Acq. F. No. 512—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15/96 CJ 31-22-38 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 6-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gangisetti Venkatarao, S/o Subbarayudu, Markondapadu, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) 1 A. Yerrayyareddi,
 2. Sri A Ch. Yerikalayyareddi,
 C/o Hotel Apsara, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1081/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry duing the fortnight ended on 15-4-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date · 11-11-1977.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th November 1977

Ref No Acq F No. 513.—Whereas, I, N K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Sction 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 26-24 & 25-128 situated at Tanuku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 30-3-77

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely

(1) 1. Attılı Hymavathı, W/o Dr Ramasubrahmanyam.

2 Mr. A Muralı Kamaraju. S/o Di Ramasubrahmanyam "Saradamba" Ganjipet Junction, Visakhapatnam-2

(Transferor)

(2) 1. Vobilisetti Krishnamurty, S/o Venkateswarlu

2 V Sreeiamachandiaprasad,

3 V Haranadh,

4 V. Venkateswarlu,

5 V. Manikyarao,

V Ravikumar, Minors by guardian father Sri V Venkateswarlu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 587/77 registered before the Sub-Registrar,, Tanuku, during the fortnight ended on 31-3-77

N K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Kakınada

Date . 11-11-1977 Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977